वर्ष : 34 | अंक : 346 | मुंबई, रविवार, 22 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले पर निराशा जताई

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वह उन जजों से 'बहुत शर्मिंदा' हैं जिन्होंने 'बहुत निराशाजनक' टैरिफ फैसला सुनाया। ट्रंप ने कहा कि वह 1974 के ट्रेड एक्ट के सेक्शन 122 के तहत 10% ग्लोबल टैरिफ लगाने के ऑर्डर पर साइन करेंगे और कई दूसरी जांच भी शुरू करेंगे। यह कानून राष्ट्रपति को सभी देशों पर 150 दिनों तक 15% तक ड्यूटी लगाने की इजाजत देता है। इसके लिए जांच या दूसरी प्रोसीजरल लिमिट लगाने की जरूरत नहीं है। धारा 122 अमेरिका के 1974 के व्यापार अधिनियम का हिस्सा है। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि अगर देश को अचानक व्यापार घाटे या आर्थिक संकट का खतरा हो, तो वे टैरिफ लगा सकते हैं।

- सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने लगाया 10 प्रतिशत टैरिफ
- भारत में सरकार असमंजस में, विपक्ष हमलावर

मोदी जी को देशवासियों के सामने खड़े होकर सच्चाई बतानी चाहिए। किसने या किन कारणों ने आपको भारत के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करने के लिए दबाव डाला? क्या यह एप्सटीन फाइल्स थीं। क्या भारत सरकार अपनी गहरी निष्क्रियता से जागेगी? क्या 140 करोड़ भारतीयों के आत्मसम्मान, साथ ही किसानों, मजदूरों, छोटे व्यवसायों और व्यापारियों के हितों की रक्षा करने वाला एक निष्पक्ष व्यापार समझौता पेश करेगी।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

यदि सरकार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के लिए 18 दिन और इंतजार करती, तो भारतीय किसानों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सकती थी। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता वास्तव में एक परीक्षा है, जिसे प्रधानमंत्री की हताशा और आत्मसमर्पण के कारण भारत पर थोपा जा रहा है।

-जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

ट्रंप है कि मानता नहीं

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को टैरिफ मामले पर सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने इन टैरिफ को गैरकानूनी बताते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि टैरिफ के लिए अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (IEEPA) का इस्तेमाल राष्ट्रपति का नहीं, बल्कि संसद का अधिकार है। इसके बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। लेकिन सबसे बुरी स्थिति भारत की है। पहले भारत पर 50 प्रतिशत टैक्स था, फिर समझौते के बाद 18 प्रतिशत आया घटा, और अब ट्रंप का नया 10% वाला ऐलान। भारत सरकार अब इस कानूनी मकड़जाल को समझने की कोशिश कर रही है कि आखिर हमारी जेब से कितना पैसा कटेगा।

150 दिन बाद टैरिफ का क्या होगा?

टैरिफ को 150 दिन से आगे बढ़ाने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। अगर संसद मंजूरी नहीं देती है, तो ये टैरिफ अपने आप खत्म हो जाएंगे। हालांकि, इन टैरिफ को भी कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है, क्योंकि इन्हें करीब 50 साल पहले की नीतियों के हिसाब से बनाया गया था। धारा 122 का पहले कभी इस्तेमाल नहीं हुआ है, इसलिए कोर्ट के लिए इसकी व्याख्या भी चुनौती होगी।

बुरा फंसा भारत

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने टैरिफ को असंवैधानिक ठहराने के बाद स्थिति और उलझ गई है, क्योंकि फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत नया टैरिफ लागू करने का ऐलान कर दिया। भारत के मामले में असमंजस इसलिए बढ़ गया है क्योंकि पहले उस पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया गया था, जिसे भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के बाद घटाकर 18 प्रतिशत किया गया, लेकिन अब कोर्ट के फैसले से पुराने टैरिफ रद्द होने और नए 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने से यह स्पष्ट नहीं है कि भारत पर वास्तविक दर कितनी रहेगी। व्हाइट हाउस का कहना है कि जब तक कोई नया प्रावधान नहीं आता, तब तक 10 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा, जबकि ट्रंप का दावा है कि भारत ही टैरिफ का भुगतान करेगा।

पिछले टैरिफ किस कानून के तहत लगाए गए थे?

ट्रंप ने पिछले टैरिफ 1977 में बनाए गए IEEPA कानून का इस्तेमाल कर लगाए थे। उन्होंने इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया था। इस कानून के मुताबिक, अगर देश पर कोई गंभीर खतरा जैसे युद्ध, आर्थिक खतरा या असाधारण संकट आए तो राष्ट्रपति को कुछ खास शक्तियां मिल सकती हैं। इसके तहत राष्ट्रपति विदेशी लेन-देन पर रोक लगा सकते हैं, उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं या कुछ आर्थिक फैसले तुरंत लागू कर सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज़

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने महादृष्टि को दी मंजूरी

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की जांच समिति ने महाराष्ट्र के कौशल विकास विभाग की महत्वाकांक्षी 'महादृष्टि' परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस स्वीकृति के साथ एशियन डेवलपमेंट बैंक से लगभग चार हजार करोड़ रुपये के वित्तीय सहयोग का रास्ता साफ हो गया है। राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने इसे महाराष्ट्र के युवाओं के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया है। महाराष्ट्र आर्थिक विकास परिषद की सिफारिशों के आधार पर राज्य के कौशल विभाग ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की आधारभूत संरचना मजबूत करने और प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर केंद्र सरकार को भेजी थी। इस रिपोर्ट में उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण मॉडल प्रस्तुत किया गया था। केंद्रीय जांच समिति ने सभी पहलुओं की समीक्षा के बाद इसे हरी झंडी दी। राज्य में पहले से चल रही 'दक्ष' परियोजना को वर्ल्ड बैंक का सहयोग मिल रहा है। साथ ही केंद्र की पीएम सेतु योजना का लाभ भी महाराष्ट्र को प्राप्त होगा। 'महादृष्टि' परियोजना इन दोनों पहलों के साथ तालमेल बैठाते हुए शेष आवश्यक घटकों को समाहित करेगी, ताकि उपलब्ध निधियों का समुचित और प्रभावी उपयोग कर कौशल विकास के लक्ष्य को तेज गति से हासिल किया जा सके।

'स्वीकृत' पर सीएम के ममेरे भाई नाराज

अमरावती। अमरावती महानगर पालिका में भाजपा कोटे से दो स्वीकृत पार्षदों के मनोनयन के बाद पार्टी के भीतर खींचतान शुरू हो गई है, जहाँ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ममेरे भाई और पूर्व पार्षद विवेक कलोती ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी ही पार्टी के फैसले पर सवाल उठाए हैं। नवनिर्वाचित सदन की पहली आमसभा में एड. प्रशांत देशपांडे और डॉ. संजय तीरथकर के नामों की घोषणा के तुरंत बाद, कलोती ने फेसबुक पर एक तंजभरी पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने ३पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने वालों को इनाम मिलने३ की बात कहकर सीधे तौर पर डॉ. तीरथकर के चयन पर निशाना साधा। गौरतलब है कि विवेक कलोती को पिछले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि डॉ. तीरथकर टिकट न मिलने के कारण पार्टी से नाराज बताए जा रहे थे।

बीएमसी ने जमींदोज किए 60 अवैध निर्माण

मुंबई। मुंबई महानगरपलिका ने पिछले दो दिनों में कांदिवली और बोरीवली के महावीर नगर क्षेत्र में एक व्यापक कार्रवाई करते हुए 25 अनधिकृत संरचनाओं और 35 अवैध स्टालों को जमींदोज कर दिया। आर-सेंट्रल वार्ड की इस टीम ने अतिक्रमण हटाओ, भवन एवं कारखाना और ठोस कचरा प्रबंधन विभागों के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें 3 जेसीबी, 5 डंपर और लगभग 50 कर्मियों ने पुलिस सुरक्षा के बीच काम किया ताकि किसी भी विरोध को रोका जा सके। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, इस मुहिम का उद्देश्य फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कर नागरिकों के लिए सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

मानहानि मामला

राउत ने मांगी माफी

- मंत्री दादा भूसे ने मानहानि का मुकदमा लिया वापस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री दादा भूसे ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के खिलाफ दायर मानहानि का मुकदमा वापस ले लिया है। दरअसल, संजय राउत ने नासिक की एक अदालत के समक्ष खेद व्यक्त क किया।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का उनका आरोप गलत जानकारी पर आधारित था। दोनों नेता शनिवार सुबह मालेगांव की अदालत में एक साथ पेश हुए। कार्यवाही के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सत्ताधारी शिवसेना के नेता भुसे ने कहा कि दोनों ने अदालत के सामने यह स्पष्ट कर दिया था कि वे विवाद को समाप्त करना चाहते हैं।

भ्रष्टाचार में शामिल होने का लगाया था आरोप

भुसे की मानहानि की शिकायत 2023 में शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक लेख से संबंधित है। इसमें राउत ने उन पर मालेगांव स्थित गिरना सहकारी चीनी कारखाने में 178 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया था। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, ३मैंने अदालत को सूचित किया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की सुनवाई के आधार पर मैंने कुछ बयान दिए थे। ये बयान अद्वय हीराय ने दिए थे। मैंने पार्टी सहयोगी होने के नाते उनका समर्थन किया था। अब हीराय खुद भाजपा में शामिल हो गए हैं, इसलिए उन्हें इस मामले को आगे बढ़ाना चाहिए।

'गलत जानकारी के आधार पर दिए बयान'

शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने कहा ३मैंने अदालत को यह भी सूचित किया था कि अदालत में मेरी ओर से कोई प्रत्यक्ष संलिप्तता नहीं है। मामला पहले से ही चल रहा था और याचिका दायर करने वाला अब सत्ताधारी दल में शामिल हो गया है। उन्हें मामला चलाने दीजिए।३ उन्होंने कहा कि उन्हें गलत जानकारी मिली थी। उसी आधार पर उन्होंने भुसे के खिलाफ आरोप लगाए थे। राउत ने कहा कि उन्होंने अदालत में खेद व्यक्त किया। मालेगांव के किसानों और नागरिकों से किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति के लिए माफी मांगी।

माफी नहीं मांगेंगे राहुल

- भिवंडी कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी, ट्रायल फेस करेंगे
- रास्ते में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर जताया विरोध

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि मामले में नई जमानत पेश करने पहुंचे। अदालत ने उनसे नया जमानतदार पेश करने को कहा था, क्योंकि उनके पूर्व जमानतदार और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था।

हर्षवर्धन सपकाल जमानतदार के रूप में पेश

राहुल गांधी इस मामले में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को नए जमानतदार के रूप में पेश कर रहे हैं। उनके वकील नारायण अय्यर के अनुसार, मजिस्ट्रेट ने औपचारिकताएं पूरी करने के लिए गांधी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। अय्यर ने कहा कि मामला तेजी से आगे बढ़ रहा है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार देशभर में सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। वकील ने यह भी कहा कि बचाव पक्ष उचित समय पर अपने गवाह और दस्तावेजी साक्ष्य अदालत के समक्ष पेश करेगा। उन्होंने न्यायपालिका पर विश्वास जताते हुए कहा कि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और इस मामले में न्याय मिलने की उम्मीद है।

मामले की सुनवाई 4 अप्रैल तक के लिए स्थगित

कांग्रेस नेता, सपकाल के साथ, सुबह करीब 11 बजे मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुए। उन्होंने अपने अधिवक्ताओं नारायण अय्यर और कुशल मोर के साथ मिलकर सकपाल को अपना नया जमानतदार नियुक्त किया। अदालत ने महाराष्ट्र कांग्रेस नेता के विवरण का सत्यापन किया क्योंकि उन्होंने प्रक्रिया पूरी करने के लिए जमानत बांड पर हस्ताक्षर किए थे। मामले की सुनवाई अब 4 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। यह मामला आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे की शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने 2014 लोकसभा चुनाव के दौरान सोनाले गांव की एक रैली में आरएसएस को महात्मा गांधी की हत्या से जोड़ने वाला बयान दिया था!

प्रशासक बनेंगे सरपंच जी

- सरपंचों की होगी ग्राम पंचायतों के प्रशासक पद पर नियुक्ति
- ग्राम विकास विभाग ने जारी किया आधिकारिक परवाना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है या 28 फरवरी तक समाप्त होने जा रहा है, वहां मौजूदा सरपंच को प्रशासक नियुक्त करने का अहम फैसला लिया है। इस संबंध में ग्राम विकास विभाग की ओर से आधिकारिक परिपत्र (सर्कुलर) जारी कर दिया गया है। निर्णय का उद्देश्य ग्राम पंचायतों के कामकाज में किसी प्रकार की प्रशासनिक रुकावट न आने देना है। जारी सर्कुलर के अनुसार ग्राम पंचायतों में प्रशासक की नियुक्ति छह महीने के लिए की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर यह कार्यकाल बढ़ाया भी जा सकेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को प्रशासक नियुक्त करने का अधिकार दिया गया है।

प्रशासनिक समिति का भी गठन

पंचायतों के सुचारू संचालन के लिए उपसरपंच और ग्राम पंचायत सदस्यों की एक प्रशासनिक समिति गठित की जाएगी। प्रशासक और समिति को संबंधित अधिनियम और नियमों के तहत प्राप्त सभी अधिकारों का उपयोग करने की अनुमति होगी। उन्हें पंचायत के नियमित कार्यों को जारी रखने और आवश्यक निर्देश देने का अधिकार भी प्रदान किया गया है।

चुनाव में देरी के बीच लिया गया फैसला

राज्य में कई ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त हो रहा है, लेकिन प्रशासनिक कारणों से चुनाव प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। ऐसे में शासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य और दैनिक प्रशासन बाधित न हो, इसलिए यह निर्णय लिया गया है।

प्रभाकर शिंदे और राजश्री को मिली कुर्सी

मुंबई। देश की सबसे अमीर नगर निगम बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में नई सरकार के चेहरे तय हो गए हैं। मुंबई में मेयर और डिप्टी मेयर की कुर्सी पर रितु तावड़े और संजय घाडी के बैठने के बाद बीएमसी की दो मुख्य समितियों के प्रमुख तय हो गए हैं। वार्ड 106 से बीजेपी के पार्षद प्रभाकर शिंदे निर्विरोध स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष चुने गए हैं। बीएमसी में स्टैंडिंग कमेटी चीफ की पोजिशन काफी पॉवरफुल मानी जाती है।

राजस्थान-एमपी समेत 4 राज्यों में 99.58 लाख नाम कटे

नई दिल्ली। देश के 12 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेश में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का दूसरा फेज अपने अंतिम चरण में है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और केरल की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की। एमपी में 5.39 करोड़, राजस्थान में 5.15 करोड़, केरल में 2.69 करोड़ और छत्तीसगढ़ में 1.87 करोड़ नाम फाइनल वोटर लिस्ट में है। इन चार राज्यों में कुल 99 लाख, 58 हजार 398 वोटर के नाम हटाए गए हैं। SIR प्रक्रिया में

एमपी में 34.25 लाख, राजस्थान में 31.36 लाख, छत्तीसगढ़ में 24.99 लाख और केरल में 8.97 लाख लोगों के नाम कटे।

अब तक कुल 7 राज्यों-UT की फाइनल लिस्ट आ चुकी है।

प्लेन क्रैश बड़ी साजिश : रोहित पवार

- रोहित पवार ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी
- नागरिक उड्डयन मंत्री का मांगा इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली/मुंबई

डिप्टी सीएम अजित पवार के प्लेन क्रैश मामले ने अब एक खतरनाक मोड़ ले लिया है। शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐसे आरोप जड़े हैं, जिनसे पूरी सियासत में हड़कंप मच गया है। रोहित का सीधा दावा है कि यह सिर्फ एक एक्सीडेंट नहीं, बल्कि एक बड़ी और गहरी साजिश हो सकती है। रोहित पवार ने स्क्रीन पर सबूत दिखाते हुए कहा कि चश्मदीदों के मुताबिक विमान गिरने पर सिर्फ एक धमाका नहीं हुआ, बल्कि एक के बाद एक कई धमाके हुए।

30 मिनट का 'लोचा' और ब्लैक बॉक्स पर शक

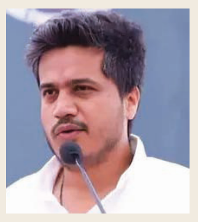

रोहित ने टेक्निकल कमियों पर उंगली उठाते हुए कहा कि नियमों के मुताबिक कॉकपिट रिकॉर्डर (CVR) में 2 घंटे की रिकॉर्डिंग होनी चाहिए, लेकिन इस विमान में सिर्फ 30 मिनट की क्षमता थी। ऐसे विमान को उड़ने की इजाजत किसने दी? उन्होंने शक जताया कि CVR खराब नहीं हुआ है, बल्कि जानबूझकर उसे गायब या डैमेज बताया जा रहा है ताकि आखिरी 30 मिनट का सच सामने न आए।

रोहित पवार ने सीधा हमला नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू पर बोला है। उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि जांच पूरी होने तक मंत्री जी कुर्सी छोड़ें। रोहित का आरोप है कि जिस 'VSR' कंपनी का प्लेन था, उसके तार टीडीपी (TDP) और बड़े प्रभावशाली लोगों से जुड़े हैं, इसलिए डीजीसीए (DGCA) की जांच पर भरोसा करना मुश्किल है।

'आजाद' और 'मामू' का खेल खत्म

7 लाख 39 हजार के आभूषण व बाइक बरामद,चोरी के 6 मामलों का हुआ पर्दाफाश

बंद घरों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को बनाते थे निशाना

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने लूटपाट व वाहन चोरी गिरोह के दो आरोपी को दबोचा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने सोना और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अहम सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 7 लाख 39 हजार रुपए मूल्य के सोने के आभूषण और चोरी में इस्तेमाल किए गए वाहन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से चोरी के छह मामलों का खुलासा हुआ है, जिससे शहर में राहत की भावना देखी जा रही है।

भिवंडी क्राइम ब्रांच की सीनियर पीआई शीतल राउत ने बताया कि ठाणे पुलिस आयुक्त के निर्देश पर बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने गुजरात के सूरत स्थित दिडोली क्षेत्र से आजाद सिंह उर्फ धनारी माधुसिंह टाक (33) और अजय सिंह उर्फ मामू भूरासिंह (28) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने छह चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

इन क्षेत्रों में की वारदातें

गिरफ्तार आरोपियों ने नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चार, कोन गांव में एक और विरार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस का दावा है कि इनकी गिरफ्तारी से सोना और वाहन चोरी के कई लंबित मामलों के सुलझने की उम्मीद है। आरोपी बंद घरों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाकर वारदात करते थे और मौका मिलते ही दोपहिया व चारपहिया वाहन भी चोरी कर लेते थे।

अन्य साथियों की तलाश जारी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 7.39 लाख रुपए के आभूषण और वाहन बरामद किए हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

अवैध धंधों पर पुलिस का 'डंडा'

प्रबंधक व एजेंटों के खिलाफ मामला दर्ज

रिगल बार में अश्लील डांस और स्टेशन पर देह व्यापार का भंडाफोड़

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण में शनिवार देर रात पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर कई महिलाओं को हिरासत में लिया और संबंधित प्रबंधन व एजेंटों के खिलाफ मामले दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, यह अभियान शहर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाया गया है और आगे भी ऐसे प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

पहली कार्रवाई रात करीब 12 बजे रिगल बार में की गई। अश्लील नृत्य की गुप्त सूचना मिलने पर एसीपी सुहास हेमाडे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम में पुलिस निरीक्षक (गुन्हे) दत्तात्रय गुंड, एपीआई संपत फडोळ और एपीआई के.आर. पाटील सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। जांच के दौरान बार के अंदर 23 महिलाएं पाई गईं। इस मामले में मानपाडा पुलिस स्टेशन में बार प्रबंधन व अन्य संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रेलवे स्टेशन परिसर में कार्रवाई, 14 महिलाएं पकड़ी गईं

दूसरी छापेमारी महात्मा फुले चौक पुलिस थाना की टीम ने कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर के पास की। यहां वेश्याव्यवसाय के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 4 एजेंट और 10 महिलाओं सहित कुल 14 लोगों को पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धारा 4 व 5 सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नाबालिग छात्रा का विनयभंग करने वाले आरोपी को सश्रम कारावास

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

मासूम बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले वैन ड्राइवर ने जब भक्षक बनने की कोशिश की, तो कानून ने उसे उसकी सही जगह यानी सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। पनवेल की विशेष पॉक्सो अदालत ने 10 साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले वैन ड्राइवर सागर भारत चव्हाण को कड़ी सजा सुनाई है।

यह मामला साल 2023 का है। आरोपी सागर (MH 46/D 1600) वैन चलाता था। एक दिन जब 10 साल की मासूम बच्ची गाड़ी में अकेली रह गई, तो ड्राइवर ने अपनी इंसानियत ताक पर रख दी। उसने बच्ची को आगे की सीट पर बैठाया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। बच्ची ने हिम्मत दिखाकर घर पर बात बताई, जिसके बाद उसके पिता ने तुरंत खांदेश्वर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की मुस्तैदी और कोर्ट का 'हंटर'

पुलिस ने बिना देरी किए पॉक्सो और छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज किया और कोर्ट में पुख्ता सबूत पेश किए। सरकारी वकील एड. प्रतीक्षा वडे वारंगे ने अदालत में आरोपी के गुनाहों को परखच्चे उड़ाते हुए साबित कर दिया। नतीजा यह हुआ कि कोर्ट ने आरोपी को धारा 10 (पॉक्सो) के तहत 5 साल की कड़ी जेल और 5,000 रुपए जुर्माना और धारा 8 के तहत 3 साल की जेल और 5,000 रुपए जुर्माना की सजा सुनाई।

'मनचलों' की शामत

मासूम का पीछा करने वाला अधेड़ गिरफ्तार

महिला से बदसलूकी करने वालों पर भी पुलिस का शिकंजा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर में महिला और एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर कुल पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है।

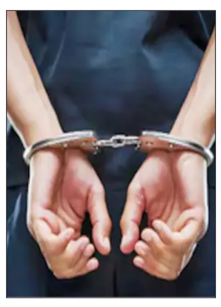

इमारत परिसर में महिला से अभद्रता का आरोप

पहली घटना 19 जनवरी की रात करीब 8 बजे नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र की एक इमारत में हुई। शिकायतकर्ता महिला के अनुसार बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी आशीष राहुल सिंह, सफीक सुपरवाइजर और दो अन्य व्यक्तियों ने घर के बाहर गाली-गलौज की और कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया। महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनके कपड़े खींचे और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग छात्रा से कथित छेड़छाड़

दूसरी घटना 20 फरवरी की शाम करीब 6 बजे वाराला देवी तालाब क्षेत्र में सामने आई। पुलिस के अनुसार 10 वर्षीय छात्रा पैदल घर लौट रही थी, तभी प्रवेश केदारनाथ उपाध्याय (50) ने कथित रूप से उसका पीछा कर रास्ते में रोका और उसका हाथ पकड़ लिया। परिजनों की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों मामलों की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन घटनाओं ने एक बार फिर समाज में सतर्कता और कानूनी जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

भिवंडी में 'बच्चा चोरों' की दहशत

दो नाबालिग फिर लापता, अपहरण की आशंका

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी और आसपास के इलाकों में नाबालिग बच्चों के लगातार लापता होने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। एक बार फिर अलग-अलग क्षेत्रों से एक नाबालिग लड़की और एक किशोर के गायब होने से दहशत का माहौल है। परिजन बेचैन हैं और पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

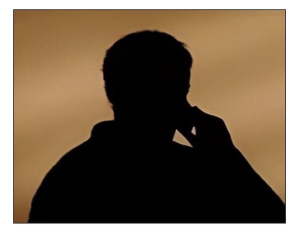

शांतिनगर क्षेत्र से किशोरी लापता

पहली घटना शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है। यहां 17 वर्ष 10 माह की एक किशोरी 18 फरवरी की शाम करीब 8 बजे से लापता है। पिता, जो पावरलूम मजदूर हैं, ने शिकायत दर्ज कराई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। परिवार ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

सोमानगर से 14 वर्षीय किशोर गायब

दूसरी घटना भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सोमानगर इलाके की है, जहां 14 वर्षीय किशोर अहमद के लापता होने का मामला सामने आया है। पिता जब दोपहर करीब 2 बजे घर पहुंचे तो बेटा घर पर नहीं मिला। आसपास के इलाकों और रिश्तेदारों के यहां तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर किशोर की तलाश तेज कर दी है।

तलाश जारी, परिवारों की बढ़ी बेचैनी

दोनों मामलों में पुलिस सक्रियता से जांच कर रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। परिजनों की आंखें हर पल अपने बच्चों की सुरक्षित वापसी की राह देख रही हैं। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने क्षेत्र में भय और असुरक्षा की भावना को गहरा कर दिया है।

घोडबंदर रोड पर कंटेनर का ब्रेक फेल, यातायात ठप्प

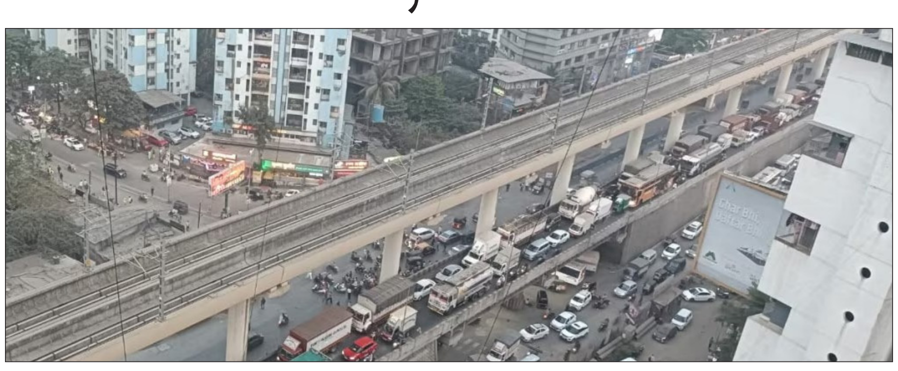

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

घोडबंदर रोड पर शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब गुजरात से ठाणे की ओर आ रहे एक कंटेनर का ब्रेक अचानक फेल हो गया। गायमुख घाट के ढलान पर चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कंटेनर की गति कम की और उसे बीच सड़क पर ही रोक दिया, जिससे वाहन किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार होने से बच गया। हालांकि, कंटेनर के बीच रास्ते में बंद होने के कारण ठाणे की ओर आने वाली मुख्य लेन पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई और देखते ही देखते हाईवे पर वाहनों का पहिया थम गया।

दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया, जिसके कारण यातायात की स्थिति और भी गंभीर हो गई। गुजरात से ठाणे आने वाला मार्ग बंद होने के कारण कुछ वाहन चालकों ने विपरीत दिशा (रॉन्ग साइड) से निकलने की कोशिश की, जिससे ठाणे से गुजरात जाने वाली लेन भी बुरी तरह जाम हो गई। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, इस अफरा-तफरी की वजह से गायमुख से लेकर कासारवडवली और पातलीपाडा तक कई किलोमीटर लंबी गाड़ियों की कतारें लग गईं, जिससे घोडबंदर रोड के दोनों किनारे वाहनों से पट गए।

पुलिस की कार्रवाई और यात्रियों का मनस्ताप

ट्रैफिक पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुँचकर क्रेन की मदद से कंटेनर को सड़क के किनारे किया और धीरे-धीरे यातायात बहाल करना शुरू किया। पुलिस की मेहनत के बावजूद शाम तक ट्रैफिक बेहद धीमा बना रहा और जो दूरी महज 5 मिनट में तय होती थी, उसे पार करने में नागरिकों को 20 से 25 मिनट का समय लगा। इस भीषण जाम से बचने के लिए कई वाहन चालकों ने आंतरिक सड़कों का सहारा लिया, जिससे शहर के भीतरी रास्तों पर भी भारी भीड़ और जाम की स्थिति पैदा हो गई।

कोंकण की वादियों में गूंजेगी 'गुरु की महिमा'

51 लाख छात्र एक साथ गाएंगे 'शहीदी' का तराना

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्ष के अवसर पर 23 फरवरी को सुबह 9 बजे कोंकण क्षेत्र के सभी शैक्षणिक संस्थानों में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह पहल इतिहास और प्रेरणा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक अनूठा प्रयास मानी जा रही है।

कोंकण क्षेत्र के लगभग 20 हजार शैक्षणिक संस्थान, 51 लाख विद्यार्थी और करीब 1.5 लाख शिक्षक व कर्मचारी इस ऐतिहासिक आयोजन में एक साथ भाग लेंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। कोंकण संभाग के राजस्व आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने सभी संस्थानों से अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

खारघर में होगा मुख्य 'शहीदी समागम'

गुरुजी की स्मृति में 28 फरवरी और 1 मार्च को ओवे मैदान, सेक्टर 29, खारघर (नवी मुंबई) में भव्य 'शहीदी समागम' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक सरताज सिंह द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित प्रेरणादायी गीत प्रस्तुत किया गया है, जिसे 23 फरवरी को सभी शैक्षणिक संस्थानों में एक साथ गाया जाएगा।

जीवन और बलिदान पर परीक्षा स्पर्धा

सामूहिक गायन के बाद गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और बलिदान पर आधारित एक ऐच्छिक परीक्षा प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। डॉ. विजय सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों से इसमें अधिकाधिक भाग लेकर गुरुजी के त्याग, साहस और धर्म रक्षा के संदेश को आत्मसात करने की अपील की है। साथ ही, संभाग के सभी जिलाधिकारियों, महापालिका आयुक्तों और जिला परिषद अधिकारियों को इस आयोजन को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

मीरा-भाईंदर की डीपी का 'दही-कचंबर'

7 साल की मेहनत और 5.50 करोड़ स्वाहा

अब नए सिरे से खिंचेगी विकास की लकीर

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

शहर के विकास का नक्शा (DP) एक बार फिर भंवर में फंस गया है। पहली डीपी 2007 में खत्म हुई, दूसरी 'लीक' होने के चक्कर में स्वाहा हो गई, और अब तीसरी डीपी को भी रद्द करने का मनपा की आमसभा में फरमान जारी कर दिया गया है। 7 साल तक फाइलों को दौड़ाने और जनता के साढ़े पांच करोड़ रुपए फूंकने के बाद अब फिर से 'जीरो' से शुरुआत करने की तैयारी है।

सत्ताधारी भाजपा ने इस डीपी में भारी गड़बड़झाले का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई जरूरी सड़कें नक्शे से गायब कर दी गईं, जिससे इमारतों का पुनर्विकास लटक जाएगा। वहीं, गार्डन और सरकारी कामों के लिए रखी गई जमीनों को बिल्डरों के फायदे के लिए रिहायशी (आवासीय) दिखा दिया गया। भाजपा पार्षद सुरेश खंडेलवाल ने तो सीधे-सीधे अधिकारियों और बिल्डरों की 'साठगांठ' पर सवाल उठा दिए।

कांग्रेस नेता जय ठाकुर ने इस फैसले पर नकेल कसते हुए कहा कि सात साल और करोड़ों रुपए बर्बाद करने के बाद पूरी योजना को रद्दी में फेंकना कहां की अकलमंदी है? उनका तर्क है कि अगर खामियां हैं, तो उनमें सुधार करो, न कि पूरे प्रोजेक्ट का बंटाधार।

क्लस्टर योजना पर 'पलटी' सरकार

राजनीति का 'यू-टर्न' क्लस्टर योजना में भी दिखा। जो भाजपा कल तक इसका विरोध कर रही थी, उसने अब इसे बनाए रखने का समर्थन किया है, हालांकि उसके पुराने प्रारूप को रद्द करने की मांग की है। पुरानी और जर्जर इमारतों के लिए मनपा ने राज्य सरकार से कुछ रियायतें मांगी हैं कि क्लस्टर के लिए जगह की शर्त 2500 से घटाकर 2000 मीटर की जाए।18 मीटर की सड़क की जगह 12 मीटर की चौड़ाई पर भी मंजूरी मिले। 5 इमारतों की पाबंदी हटाई जाए ताकि फटाफट काम शुरू हो सके। शहर में दो अलग-अलग डीपी (एक उत्तन के लिए और एक बाकी शहर के लिए) होने से खिचड़ी पकने का डर है। अब सारी गेंद राज्य सरकार के पाले में है। अगर सरकार ने 'कैंसिल' के बटन पर मुहर लगा दी, तो शहर के विकास की गाड़ी फिर से पीछे वाले गियर में चली जाएगी।

हाईवे पर मौत बनकर दौड़ा 'बेकाबू' ट्रक, बाइक सवार दंपति को रौंदा, पति का पैर फ्रैक्चर

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

मुंबई-नाशिक हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा 20 फरवरी की दोपहर करीब 3:30 बजे खारेगांव ब्रिज के पास हुआ। अचानक हुई इस टक्कर से हाईवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार दिनेश मुनींद्र कोंडाबत्तीनी (30) अपनी पत्नी मोनिका के साथ मोटरसाइकिल से ठाणे से भिवंडी की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने लापरवाहीपूर्वक उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दिनेश के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और हाथ में भी चोट आई है। उनकी पत्नी मोनिका के हाथ और पैर में चोटें आई हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घायल की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है और हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

शर्टलेस मामला

कांग्रेस पर बन की शाब्दिक बमबारी

दुनिया के सामने देश की नाक कटाने की साजिश रच रही कांग्रेस: बन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नवनाथ बन ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उसे जमकर आड़े हाथों लिया है। शनिवार को मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस वैश्विक स्तर पर भारत की छवि बिगाड़ने के लिए गंदा खेल खेल रही है।

'दुनिया के सामने ये कैसी नौटंकी?'

नवनाथ बन ने दिल्ली में हुए 'एआई इम्पैक्ट समिट' का जिक्र करते हुए कहा कि वहां युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जो हंगामा काटा, वह बेहद शर्मनाक था। उन्होंने कहा कि एक तरफ दुनिया भारत की ताकत का लोहा मान रही है और प्रधानमंत्री मोदी देश का मान बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के लोग ओछी हरकतों पर उतर आए हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने इसे भारत को बदनाम करने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया।

राहुल गांधी को दिखाया 'आईना'

कांग्रेस की इन हरकतों से भड़के भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी ईंट का जवाब पत्थर से दिया है। नवनाथ बन ने बताया कि जब राहुल गांधी भिवंडी कोर्ट जा रहे थे, तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ एजेंडा चलाने वालों को आने वाले समय में जनता करारा जवाब देगी।

68 हजार डॉक्टरों के नाम मतदाता सूची से गायब, संगठनों में भारी आक्रोश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र चिकित्सा परिषद के आगामी चुनावों के लिए जारी मतदाता सूची से लगभग 68 हजार डॉक्टरों के नाम हटाए जाने के कारण चिकित्सा जगत में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पिछले साल भी इसी मुद्दे पर चुनाव स्थगित हुए थे, लेकिन इस बार भी एमएमसी ने स्पष्ट किया है कि पंजीकरण का नवीनीकरण न कराने और बार-बार याद दिलाने के बावजूद प्रतिक्रिया न देने वाले डॉक्टरों को सूची से बाहर रखा गया है। 'हिलिंग हैंड्स युनिटी पैनल' के संयोजक डॉ. तुषार जगताप सहित विभिन्न डॉक्टर संगठनों ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चुनाव अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या नाम हटाने से पहले कानूनी प्रक्रिया और सुनवाई का मौका दिया गया था। कुल 2.13 लाख पंजीकृत डॉक्टरों में से इतनी बड़ी संख्या में नामों की कटौती चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है, जिसके विरोध में डॉक्टरों ने अब सरकार का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है।

दादर में 'आमने-सामने' कांग्रेस और भाजपा

भाजपा कार्यालय के सामने युवा कांग्रेस का आंदोलन

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के दादर स्थित 'वसंत स्मृति' कार्यालय के बाहर मुंबई युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने तीव्र आंदोलन किया। यह प्रदर्शन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कथित रूप से दी गई जान से मारने की धमकी के विरोध में आयोजित किया गया था। कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज़ में भाजपा कार्यालय के समक्ष फूल बरसाकर विरोध दर्ज कराया।

ज़ीनत ज़बरीन के नेतृत्व में जोरदार नारेबाज़ी

मुंबई युवा कांग्रेस की अध्यक्ष ज़ीनत ज़बरीन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पहुंचे और नारेबाज़ी की। आंदोलन की पूर्व घोषणा के चलते पुलिस ने भारी बंदोबस्त किया था। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से फूलों की वर्षा कर धमकी की घटना की निंदा की। बाद में पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचाया।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का दावा

ज़ीनत ज़बरीन ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि को जान से मारने की धमकी देना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा आघात है। उन्होंने मांग की कि संबंधित लोगों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। उनके अनुसार, यह आंदोलन नफरत और हिंसा की राजनीति के खिलाफ एक शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक संदेश था।

पुलिस कार्रवाई पर भी उठाए सवाल

ज़बरीन ने आरोप लगाया कि पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं को आंदोलन की खुली छूट देती है, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि आंदोलन से पहले ही कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जाता है, जबकि भाजपा के आंदोलनों के दौरान पुलिस निष्क्रिय रहती है। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

पेड़ों की कटाई सैनिकों के बलिदान जैसी : पंकजा मुंडे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे एक बार फिर अपने बेबाक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। 'मुंबई जलवायु सप्ताह' के दौरान उन्होंने विकास परियोजनाओं के लिए पेड़ों, खासकर मैंग्रोव की कटाई का बचाव करते हुए उनकी तुलना देश की सीमा पर तैनात सैनिकों से कर दी। उनके इस बयान का वीडियो सामने आते ही राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस छिड़ गई।

क्या कहा मंत्री ने?

मुंबई में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुंडे ने विकास और पर्यावरण के संतुलन पर बोलते हुए कहा कि जिस तरह एक मां अपने बेटे को देश सेवा के लिए सीमा पर भेजती है, उसी तरह अगर हम पेड़ उगाते हैं तो विकास के लिए उन्हें काटना भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पेड़ "जीवित रहते हुए हमारी रक्षा करते हैं और हटाए जाने के बाद विकास में योगदान देते हैं।" उनका तर्क था कि यदि पांच पेड़ काटने पड़ें तो दस नए पेड़ लगाने चाहिए और प्रगति को रोका नहीं जा सकता।

अंजलि दमानिया ने जताई नाराज़गी

मंत्री के बयान पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। जानी-मानी कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर वीडियो साझा कर मंत्री की सोच पर सवाल उठाए। आलोचकों का कहना है कि पेड़ों की कटाई की तुलना सैनिकों की शहादत से करना न केवल असंवेदनशील है, बल्कि पर्यावरण विनाश को उचित ठहराने की कोशिश भी है।

विकास बनाम पर्यावरण की बहस तेज

मुंडे की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब मुंबई में तटीय सड़क और आरे जैसे हरित क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। उन्होंने पांच सितारा होटलों में बैठकर जलवायु पर चर्चा करने वालों पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है। उनके बयान ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि तेजी से बढ़ते शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कैसे साधा जाए।

शत्रुघ्न सिन्हा के 'खामोश' डायलॉग, नाम-आवाज-तस्वीर के दुरुपयोग पर रोक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी पर्सनैलिटी राइट्स यानी व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आज यानी 21 फरवरी 2026 को हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद एक बड़ा निर्णय सुनाया है जिसमें कहा गया है कि अभिनेता का प्रसिद्ध डायलॉग 'खामोश' उनके व्यक्तित्व से विशेष रूप से जुड़ा हुआ है और इसे, उनके नाम, आवाज या तस्वीर के साथ बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट के फैसले में न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा का यह खास डायलॉग और उनकी डायलॉग बोलने की शैली फिल्मी और डिजिटल दुनियाभर में उनके पहचान का अहम हिस्सा बन चुकी है। इसलिए, किसी भी व्यक्ति या प्लेटफॉर्म द्वारा इसका अनधिकृत उपयोग, खासकर सोशल मीडिया पर उनके नाम, तस्वीर, आवाज या चेहरे के डिजिटल रूपों का इस्तेमाल करना न्यायालय स्वीकार नहीं करेगा।

मुंबई मेट्रो लाइन 2बी के ब्रिज पर दो यू-गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च

मुंबई। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने मुंबई मेट्रो लाइन 2बी (डी.एन. नगर से मांडले) परियोजना में एक अहम माइलस्टोन हासिल किया है। शनिवार सुबह करीब 4 बजे कुर्ला के हलाव ब्रिज पर दो यू-गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च और इंस्टॉल किए गए। एयरपोर्ट फनल जोन में ऊंचाई की सख्त सीमाओं और महज 3.5 मीटर वर्टिकल क्लीयरेंस के बावजूद यह जटिल काम पूरा किया गया, जो इंजीनियरिंग दक्षता का उदाहरण है। 23.643 किमी लंबी पूरी तरह एलिवेटेड लाइन 2बी, डी.एन. नगर, बीकेसी, कुर्ला, चेंबूर और मांडले जैसे प्रमुख इलाकों को जोड़ेगी। 20 स्टेशनों वाली यह 'येलो लाइन' मुंबई की ईस्ट-वेस्ट कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। परियोजना पूरी होने पर यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव घटेगा और लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा मिलेगी।

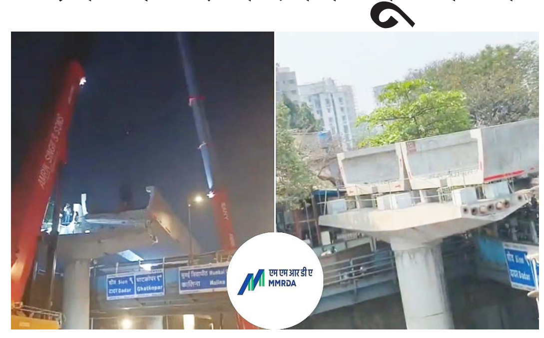

तकनीकी सटीकता और अगला चरण

पी610–पी611 एलएचएस के दो यू-गर्डर, प्रत्येक 20 मीटर लंबे, 500 एमटी क्षमता वाली क्रेन की मदद से स्थापित किए गए। पास के एस.जी. बर्वे मार्ग मेट्रो स्टेशन को एविएशन नियमों के अनुरूप सिंगल-लेवल डिजाइन किया गया है। अब अगला चरण ट्रैक लेइंग, ओवरहेड कैटेनरी सिस्टम (ओएचई), पावर सप्लाई, सिग्नलिंग और टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर का है।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सटीक क्रियान्वयन

हलाव ब्रिज सेक्शन को सबसे चुनौतीपूर्ण माना जा रहा था, क्योंकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एविएशन हाइट नॉर्म्स के कारण निर्माण के लिए सीमित जगह उपलब्ध थी। सभी मंजूरियां लेने के बाद रात के समय काम किया गया, ताकि ट्रैफिक पर न्यूनतम असर पड़े। हल्के वाहनों की आवाजाही जारी रही, जबकि भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया गया।

मुंबई और विजयदुर्ग के बीच रो-रो सेवा को मिली हरी झंडी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पानी के रास्ते कोंकण जाने वालों के लिए बड़ी राहत की खबर है। महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने मुंबई से विजयदुर्ग के बीच बहुप्रतीक्षित रो-रो सेवा को मंजूरी दे दी है। जानकारी के अनुसार 1 मार्च से यह सेवा शुरू होगी, जिससे होली से पहले यात्रियों को नया और सुविधाजनक विकल्प मिल जाएगा।

इस रो-रो फेरी के जरिए मुंबई से विजयदुर्ग तक की दूरी महज 5–6 घंटे में तय की जा सकेगी। फिलहाल सड़क मार्ग से यही यात्रा 10–12 घंटे लेती है, खासकर ट्रैफिक जाम के कारण। नई सेवा से समय की बचत होगी और सिंधुदुर्ग जिले समेत पूरे कोंकण क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गणेशोत्सव से पहले था प्लान, अब मिली मंजूरी

दरअसल, अगस्त 2025 में गणेशोत्सव से पहले इस सेवा को शुरू करने की योजना थी, ताकि त्योहार के दौरान कोंकण जाने वालों को सहूलियत मिल सके। तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई, लेकिन अब सभी अड़चनें दूर हो गई हैं। गर्मी की छुट्टियों और त्योहारों के दौरान कोंकण जाने वाले हजारों मुंबईकरों को इससे बड़ी राहत मिलेगी, खासकर जब मुंबई–गोवा हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम आम बात है।

यह सेवा मुंबई के भाऊ का धक्का टर्मिनल से संचालित होगी, जहां पैसेंजर जेटी को रो–रो जेटी में बदला गया है। यात्री अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन भी साथ ले जा सकेंगे। संभावित किराया प्रति यात्री 800 से 1200 रुपये के बीच हो सकता है, जबकि दोपहिया के लिए लगभग 1000 रुपये और चारपहिया के लिए 4500 से 6000 रुपये तक शुल्क तय किया जा सकता है। ट्रेन टिकट की कमी और सड़क जाम के बीच यह सेवा कोंकण यात्रा के लिए एक आकर्षक विकल्प साबित हो सकती है।

राजावाड़ी अस्पताल में मेयर ऋतु तावड़े का औचक निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, वार्डों का निरीक्षण और मरीजों से किया संवाद

धीरज सिंह | मुंबई

मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर किए जाने की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए, मुंबई की मेयर ऋतु राजेश तावड़े ने शनिवार दोपहर घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मेयर ने महिला और पुरुष मेडिकल वार्ड, प्रसूति वार्ड, बाल रोग विभाग और सर्जरी वार्ड का दौरा कर वहां की कार्यप्रणाली और स्वच्छता का जायजा लिया। उन्होंने सीधे मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और अस्पताल द्वारा प्रदान किए जा रहे उपचार व सुविधाओं की गुणवत्ता का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया।

दवाओं की कमी और टीकाकरण पर सख्त निर्देश

दवाओं की किल्लत की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मेयर ने दवाओं और टीकों की आपूर्ति व वितरण से संबंधित रिकॉर्ड की गहन जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दवाओं का उचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जाए और दैनिक टीकाकरण सेवाओं में कोई बाधा न आए। गंभीर बीमारियों के इंजेक्शन की कमी पर विस्तृत रिपोर्ट मांगते हुए उन्होंने अस्पताल प्रशासन को संबंधित अधिकारियों के साथ तत्काल बैठक बुलाकर इस समस्या का समाधान करने का आदेश दिया।

पुनर्विकास में देरी और बुनियादी ढांचे पर सवाल

अस्पताल के पुनर्विकास कार्य की धीमी गति पर स्थानीय निवासियों द्वारा उठाए गए सवालों को लेकर मेयर ने अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माणाधीन क्षेत्र को पूरी तरह से कवर किया जाए ताकि मरीजों के स्वास्थ्य को कोई खतरा न हो। साथ ही, उन्होंने मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुधारने, पुराने बिजली के तारों को बदलने और अस्पताल परिसर की पेंटिंग करवाने के भी आदेश दिए, ताकि सुरक्षा और स्वच्छता बनी रहे।

सुरक्षा और फिजियोथेरेपी विभाग की बदहाली

निरीक्षण के दौरान 'शिव आरोग्य सेना' के मुंबई जिला सह-समन्वयक प्रकाश बी. वानी ने अस्पताल की सुरक्षा और फिजियोथेरेपी विभाग की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपी विभाग की छत को कई जगहों पर खंभों (प्रॉप्स) का सहारा दिया गया है, जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसके अलावा, हाल ही में एक सुरक्षा गार्ड पर हुए हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की मांग की। इस अवसर पर स्थानीय कॉर्पोरेटर धर्मेश गिरी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्रकांत पवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर तेज रफ्तार बाइक चढ़ाने का प्रयास, दो आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

चेंबूर इलाके में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर रोके जाने से नाराज एक बाइक सवार ने अपने साथियों के साथ मिलकर ड्यूटी पर तैनात पुलिस सिपाही प्रदीप शिंदे के साथ अभद्रता की और उन पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। अमर महल सिग्नल पर शुक्रवार रात हुई इस घटना में सिपाही शिंदे के पैर में गंभीर चोट आई है, जिसके बाद आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की भी की। पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिलने पर तिलकनगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीछा कर फैजान खान (23) और उजेफ कुरेशी (35) को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका एक साथी फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश सरगर्मी से जारी है।

पश्चिम रेलवे

वार्षिक रखरखाव एवं परिचालन अनुबंध कार्य

SR.CDO – मुंबई सेंट्रल ई- **निविदा सूचना संख्या: RE-MMCT-ACWP-OTR-AMOC-2025 दिनांक: 18.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** कोचिंग डिपो, मुंबई सेंट्रल में स्थापित ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट (ACWP) के लिए एक बार की मरम्मत तथा उसके बाद 05 वर्षों की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव एवं परिचालन अनुबंध (CAMOC) का प्रस्ताव। **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,52,69,233.57 (सभी कर सहित),**ईएमडी :** 2,26,400/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 13.03.2026 तक, दोपहर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 13.03.2026 को 15:30 बजे,विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

1147

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.:**– सोला/वि/नि/2024/30R3. **कार्य का नाम:**– वाडी यार्ड को ए श्रेणी माल ढुलाई परीक्षण यार्ड में अपग्रेड करने के संबंध में कार्य का विद्युत सामान्य सेवा भाग। (पुनः आमंत्रण) **कार्य की लागत:** रू. 1,17,77,433.48/– **बोली प्रतिभूति:**– रू 2,08,900/– **कार्य पुरा करने की अवधि:**– 12 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता:**– 60 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:**– दि. 17/03/2026 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई–पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।

ANJ-18

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

टैरिफ पर 'सुप्रीम' अंकुश

वैश्विक व्यापार के समुद्र में अमेरिकी शुल्कों (टैरिफ) की उठती लहरों ने एक बार फिर दुनिया भर के बाजारों में हलचल तेज कर दी है। हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक आयात शुल्क को 6-3 के बहुमत से रद्द करने का फैसला न केवल एक कानूनी हस्तक्षेप है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदलने वाला एक बड़ा नीतिगत झटका भी है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की अगुवाई वाली पीठ ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि कार्यकारी शक्तियां असीमित नहीं हैं और राष्ट्रपति ने अपने संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए ये शुल्क लगाए थे। हालांकि, इस न्यायिक अंकुश के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 फरवरी को जिस प्रकार एक नए 'अस्थायी अतिरिक्त शुल्क' की घोषणा की, उसने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी प्रशासन 'अमेरिका फर्स्ट' की अपनी संरक्षणवादी नीति से पीछे हटने को तैयार नहीं है। ट्रंप के नए एलान के अनुसार, 24 फरवरी 2026 से अगले 150 दिनों के लिए अमेरिका में आयात होने वाले सामान पर 10 प्रतिशत का अस्थायी अतिरिक्त शुल्क लागू होगा। यह घोषणा वैश्विक व्यापार में एक नई अनिश्चितता तो पैदा करती है, लेकिन भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक बड़े 'डिस्काउंट' या राहत के रूप में उभरी है। भारत के संदर्भ में गौर करें तो यह स्थिति किसी चमत्कार से कम नहीं है। पिछले वर्ष अगस्त में जब अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया था और बाद में रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत का अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क थोपा गया, तब भारतीय उत्पादों पर कुल कर का बोझ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में बने रहना एक बड़ी चुनौती बन गया था। न्यायालय के इस ऐतिहासिक फैसले और उसके बाद ट्रंप की नई घोषणा के बाद अब भारतीय उत्पादों पर लगने वाला यह भारी-भरकम बोझ घटकर केवल 10 प्रतिशत के अतिरिक्त शुल्क तक सीमित रह जाएगा। यदि इसे व्यावहारिक रूप से समझें, तो यह 10 प्रतिशत का शुल्क मौजूदा 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' (MFN) ड्यूटी के ऊपर लगेगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि जिन उत्पादों पर पहले 30 से 50 प्रतिशत तक का बोझ था, वे अब काफी हद तक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत का लगभग 40 प्रतिशत निर्यात पहले से ही छूट की श्रेणी में है, और अब केवल शेष 55 प्रतिशत हिस्से पर ही इस 10 प्रतिशत टैरिफ का प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, स्टील, एल्युमिनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर अभी भी ऊंचे सेक्टोरल टैरिफ का साया बना हुआ है, जो चिंता का विषय है। इस पूरे घटनाक्रम में भारत की कूटनीतिक जीत भी छिपी है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान कि भारत के साथ व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं हुआ है, नई दिल्ली की सधी हुई विदेश नीति का प्रमाण है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात और अमेरिका के साथ व्यापारिक हितों के बीच जो संतुलन बनाया है, उसी का परिणाम है कि अमेरिका ने दंडात्मक शुल्क हटाने पर सहमति जताई। भारत और अमेरिका के बीच 186 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार दोनों देशों के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। विशेषकर भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी यह दर्शाती है कि अमेरिकी बाजार में आने वाली कोई भी छोटी राहत भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी संजीवनी साबित हो सकती है। निष्कर्षतः, सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोकतंत्र में शक्तियों के संतुलन का एक उदाहरण है, लेकिन 150 दिनों के अस्थायी शुल्क की तलवार अभी भी लटकी हुई है। भारतीय निर्यातकों को इस छोटी अवधि की राहत का लाभ उठाने के लिए अपनी रणनीतियों को तेज करना होगा। वहीं, सरकार को 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' जैसे थिंक टैंकों के सुझावों पर गौर करते हुए अंतरिम व्यापार समझौते की दोबारा समीक्षा करनी चाहिए।

रफ्तार की कीमत: सड़क पर बुझता युवाओं का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ
डॉ. प्रियंका सौरभ राजनीति विज्ञान में पीएचडी धारक, प्रखर कवयित्री, सामाजिक चिंतक और नियमित स्तंभकार हैं। हिसार (हरियाणा) में निवासरत।

सड़क हादसे केवल दुर्घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारी लापरवाही और गैर-जिम्मेदार सोच का परिणाम हैं। तेज़ रफ्तार, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल का इस्तेमाल युवाओं की ज़िंदगी निगल रहा है। नियमों का पालन कोई मजबूरी नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का आधार है। ज़रूरत है कि हम सड़क सुरक्षा को आदत और संस्कार बनाएं। एक छोटी-सी सावधानी, धैर्य और जिम्मेदारी कई परिवारों को उजड़ने से बचा सकती है। युवाओं का भविष्य सुरक्षित सड़कों से ही संभव है।

भारत में सड़क हादसों में युवाओं की लगातार हो रही मौतें आज एक ऐसी सच्चाई बन चुकी हैं, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं है। हर दिन अख़बारों के पन्ने और न्यूज़ चैनलों की सुर्खियाँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सड़कें कितनी असुरक्षित होती जा रही हैं। इन हादसों में सबसे अधिक प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है—वह वर्ग, जिसे देश का भविष्य कहा जाता है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी चेतावनी भी है। सड़क दुर्घटनाएँ अचानक होने वाली घटनाएँ नहीं होतीं, बल्कि ये अक्सर मानवीय लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का परिणाम होती हैं।

तेज़ रफ्तार से वाहन चलाना, यातायात नियमों की अनदेखी करना, गलत दिशा में वाहन ले जाना, नींद या थकान की अवस्था में ड्राइव करना, शराब या नशे का सेवन करके गाड़ी चलाना और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल—ये सभी कारण मिलकर सड़क को मौत का रास्ता बना देते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश हादसे पूरी तरह रोके जा सकते हैं, यदि थोड़ी-सी सावधानी और समझदारी दिखाई जाए। युवा अवस्था जोश, आत्मविश्वास और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से भरी होती है। यही गुण जब अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़े हों, तो प्रगति का मार्ग बनाते हैं, लेकिन जब यही जोश लापरवाही में बदल जाए, तो विनाश का कारण बनता है। आज कई युवा तेज़ रफ्तार को शान और नियम तोड़ने को साहस समझने लगे हैं। "कुछ नहीं होगा" या "मैं संभाल लूँगा" जैसी सोच उन्हें खतरनाक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। दुर्भाग्यवश, एक छोटी-सी गलती पूरे जीवन को समाप्त कर देती है।

आधुनिक जीवनशैली और तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। मोबाइल फोन आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन ड्राइविंग के दौरान इसका इस्तेमाल जानलेवा साबित हो रहा है। एक पल की असावधानी, एक संदेश पढ़ने या कॉल उठाने की कोशिश कई ज़िंदगियों को छीन सकती है। इसके बावजूद लोग इस खतरे को गंभीरता से नहीं लेते।

यही उदासीनता सड़क हादसों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण है। शराब पीकर वाहन चलाना भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। कई लोग इसे अपराध नहीं, बल्कि सामान्य बात समझते हैं। दोस्तों के साथ पार्टी के बाद खुद गाड़ी चलाने का आत्मविश्वास, या यह सोच कि "थोड़ी-सी शराब से क्या फर्क पड़ेगा", अक्सर घातक सिद्ध होती है। नशे की हालत में प्रतिक्रिया समय कम हो जाता है और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इसके अलावा, नींद की झपकी और थकान भी एक गंभीर लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला कारण है। लंबी दूरी की यात्रा, रात में ड्राइविंग या लगातार काम के बाद वाहन चलाना शरीर और मस्तिष्क पर भारी पड़ता है। कई हादसे केवल इसलिए हो जाते हैं क्योंकि चालक कुछ सेकंड के लिए झपकी ले लेता है। ये कुछ सेकंड किसी के पूरे जीवन पर भारी पड़ सकते हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए गए हैं। यातायात नियम बनाए गए हैं, जुर्माने बढ़ाए गए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया गया है और जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

लेकिन सच्चाई यह है कि कानून तभी प्रभावी होते हैं, जब लोग उन्हें दिल से स्वीकार करें। केवल डर के कारण नियमों का पालन करना पर्याप्त नहीं है; इसके लिए सोच और व्यवहार में बदलाव ज़रूरी है। सड़क सुरक्षा को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी मान लेना एक बड़ी भूल है। यह हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। एक चालक के रूप में हमारी लापरवाही न केवल हमारी जान के लिए खतरा है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन को भी जोखिम में डालती है। पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, बुज़ुर्ग, बच्चे—सभी हमारी एक गलती का शिकार बन सकते हैं।

हमारी गीता

संजय की दृष्टि

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

कुरुक्षेत्र के मैदान में जब श्वेत घोड़ों से युक्त महान रथ पर स्थित श्रीकृष्ण और पांडव अर्जुन ने अपने शंख बजाए, तब वह केवल युद्ध का संकेत नहीं था, बल्कि धर्म और अधर्म के संघर्ष का उद्घोष था। प्रश्न एक अंधे राजा ने पूछा, पर उत्तर देने वाला दिव्यदृष्टि से संपन्न संजय था। जिसने इंद्रियों और मन को संयम में रखा हो, वही वस्तुस्थिति को निष्पक्ष रूप से देख सकता है। संत तुकाराम महाराज की उक्ति—"सहज बोलणे हित उपदेश, करूनी सायास शिकविती"—संजय के वचनों पर पूर्णतः लागू होती है। संजय केवल घटनाओं का वर्णन नहीं करते, वे उनमें छिपे संकेतों को भी प्रकट करते हैं। बचपन में गांवों में खुले मैदान में दिखाई जाने वाली चलचित्र की तरह, जहां बच्चे केवल दृश्य और क्रिया बताते थे, वैसी सतही कथा संजय नहीं कहते। वे युद्ध की बाहरी ध्वनियों—शंख, रणवाद्य और घोष—के साथ-साथ पात्रों के अंतर्मन को भी उद्घाटित करते हैं। दुर्योधन का द्रोणाचार्य के पास जाना, भीष्म पितामह का शंखनाद करना, अन्य राजाओं का रणघोष—ये केवल घटनाएं नहीं, बल्कि उनके स्वभाव का परिचय हैं। दूसरी ओर, अर्जुन के रथ, उसके सारथी श्रीकृष्ण, और शंखों के नाम तक का उल्लेख यह दर्शाता है कि पांडव पक्ष में सजगता, मर्यादा और आध्यात्मिक आधार है। संजय दोनों पक्षों के भाव, वाणी और क्रिया का सूक्ष्म चित्रण करते हैं, जिससे उनके चरित्र और प्रवृत्ति का अंतर स्पष्ट होता है। वाणी और कर्म मन का दर्पण हैं। दुर्योधन के शब्दों में असुरक्षा और अहंकार झलकता है, जबकि अर्जुन के प्रश्नों में जिज्ञासा और धर्मबोध। संजय यह संकेत देते हैं कि केवल विशाल सेना, श्रेष्ठ योद्धा या प्रथम आक्रमण विजय का कारण नहीं बनते। अंततः विजय धर्म, सत्य और न्याय की ही होती है। संजय की दृष्टि हमें सिखाती है कि जीवन के प्रत्येक संघर्ष में बाहरी शोर से अधिक महत्वपूर्ण आंतरिक भाव है। वही भाव हमारे परिणाम का निर्धारण करता है। यही गीता का संदेश है, और यही संजय का हितोपदेश।

शख्सियत | अरविन्द घोष

क्रांतिकारी से महायोगी तक की प्रेरक यात्रा

भारतीय इतिहास में अरविन्द घोष का व्यक्तित्व बहुआयामी और अद्वितीय है। वे एक ओर प्रखर राष्ट्रवादी क्रांतिकारी थे, तो दूसरी ओर उच्च कोटि के दार्शनिक, कवि और महायोगी।

उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि बाहरी स्वतंत्रता और आंतरिक मुक्ति—दोनों की साधना समान रूप से आवश्यक है। अरविन्द घोष का जन्म 22 फरवरी 1872 को कोलकाता में हुआ। उनके पिता पाश्चात्य शिक्षा के समर्थक थे, इसलिए बालक अरविन्द को कम आयु में ही इंग्लैंड भेज दिया गया। वहां उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अध्ययन किया और भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा भी उत्तीर्ण की, किंतु अंग्रेजी शासन की नौकरी उन्हें स्वीकार्य नहीं थी। वे भारत लौटे और बड़ौदा रियासत में कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति, वेद, उपनिषद और गीता का गहन अध्ययन करने लगे। समय के साथ उनके भीतर राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित हुई। उन्होंने बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन को वैचारिक दिशा दी। उनके लेख और भाषण युवाओं में स्वतंत्रता का उत्साह भर देते थे। 'वंदे मातरम्' जैसे पत्रों के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की नीतियों की तीखी आलोचना की। वे मानते थे कि स्वाधीनता केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का प्रश्न है। 1908 में अलीपुर बम कांड के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया। एक वर्ष तक कारावास में रहते हुए उनके जीवन में अद्भुत आध्यात्मिक परिवर्तन हुआ। उन्होंने जेल की कोठरी में ही ईश्वर की अनुभूति की और अनुभव किया कि राष्ट्र की सेवा का मार्ग केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण भी उतना ही आवश्यक है। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया और पांडिचेरी चले गए। पांडिचेरी में उन्होंने गहन साधना आरंभ की। उनका उद्देश्य था—मानव चेतना का उत्कर्ष। उन्होंने 'पूर्ण योग' का सिद्धांत प्रतिपादित किया, जो जीवन के सभी पक्षों को आध्यात्मिक विकास से जोड़ता है। उनके अनुसार मनुष्य केवल भौतिक अस्तित्व नहीं, बल्कि दिव्य संभावनाओं का वाहक है। उन्होंने कहा कि सच्ची स्वतंत्रता भीतर से प्रारंभ होती है और वही बाहर की दुनिया को भी परिवर्तित करती है। अरविन्द घोष की रचनाएं उनके गहन चिंतन का प्रमाण हैं। 'जीवन दिव्य' और 'सावित्री' जैसी कृतियां आज भी दार्शनिक और साहित्यिक जगत में आदरपूर्वक पढ़ी जाती हैं। उनकी लेखनी में राष्ट्रवाद, अध्यात्म और मानवता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। वे भारत को केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक शक्ति मानते थे। उनकी प्रेरणा का सबसे बड़ा संदेश यह है कि व्यक्ति को परिस्थितियों से घबराना नहीं चाहिए। एक ओर वे अंग्रेजी सत्ता से टकराने वाले निर्भीक नेता थे, तो दूसरी ओर आत्मचिंतन में लीन साधक। उन्होंने दिखाया कि बाहरी संघर्ष और आंतरिक शांति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

जीवन ऊर्जा | जॉर्ज वॉशिंगटन : जन्म - 22 फरवरी 1732 | जन्म

सम्मान का मार्ग सदैव कर्तव्य से होकर जाता है

जॉर्ज वॉशिंगटन का जन्म 22 फरवरी 1732 को वेस्टमोरलैंड काउंटी, वर्जीनिया (तत्कालीन ब्रिटिश अमेरिका) में हुआ था। वे अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता थे। उन्होंने नवगठित राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व दिया, लोकतांत्रिक परंपराओं की नींव रखी और दो कार्यकाल के बाद स्वेच्छा से पद त्याग कर आदर्श स्थापित किया। उनका निधन 14 दिसंबर 1799 को माउंट वर्नन, वर्जीनिया में हुआ।

जब जड़ पकड़ लेती है स्वतंत्रता, तो तेजी से बढ़ती है। अनुशासन सेना की आत्मा है। अनुभव सबसे उत्तम शिक्षक है। सम्मान का मार्ग सदैव कर्तव्य से होकर जाता है। मित्रता सच्चे हृदयों का बंधन है। धैर्य और आत्मसंयम महानता की पहचान हैं। राष्ट्र का चरित्र उसके नागरिकों से बनता है। ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। भय से अधिक हानिकारक कुछ नहीं। सच्ची शक्ति एकता में निहित है। नेतृत्व सेवा से जन्म लेता है। समय अमूल्य है, उसे व्यर्थ न गवाएं। स्वतंत्रता की रक्षा सतर्कता से होती है। साहस संकट में परखा जाता है। न्याय शांति की नींव है। चरित्र ही मनुष्य की असली पूंजी है। संयम से ही सम्मान मिलता है। राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए। ज्ञान के बिना स्वतंत्रता अधूरी है। विश्वास अर्जित किया जाता है, दिया नहीं जाता। दृढ़ संकल्प असंभव को संभव बनाता है। कर्तव्य से विमुख होना पतन का कारण है। विनम्रता महानता को स्थायी बनाती है। शांति के लिए शक्ति आवश्यक है। सत्य बोलने में कभी भय न रखें। सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता आवश्यक है। आत्मसम्मान ही सच्ची स्वतंत्रता है। कानून का सम्मान राष्ट्र की रक्षा करता है। धैर्य से ही विजय मिलती है। निष्ठा सबसे बड़ा गुण है। परामर्श से निर्णय बेहतर होते हैं। आदर्श नेतृत्व उदाहरण से स्थापित होता है। भविष्य उन्हीं का है जो साहसपूर्वक आगे बढ़ते हैं। स्वतंत्र राष्ट्र की रक्षा के लिए नागरिकों की सजगता अनिवार्य है। अच्छे नैतिक मूल्य किसी भी गणराज्य की आधारशिला होते हैं। शिक्षा से ही समाज में जागरूकता आती है। दृढ़ इच्छाशक्ति से ही कठिनाइयों पर विजय पाई जा सकती है। सच्चा देशभक्त वही है जो कर्तव्य को अधिकार से ऊपर रखे। सार्वजनिक पद विश्वास की जिम्मेदारी है। एकता से ही राष्ट्र मजबूत बनता है। चरित्र और साहस नेतृत्व के दो स्तंभ हैं। संकट में शांत रहना ही बुद्धिमत्ता है। महानता विनम्रता और सेवा से जन्म लेती है।

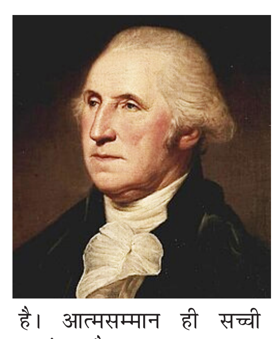

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीव से शिव की यात्रा: समर्पण का सत्य

जिस प्रकार प्रत्येक नदी का जल अंततः समुद्र में जाकर मिल जाता है, उसी प्रकार प्रत्येक जीव का अंतिम लक्ष्य भी परमात्मा में ही लय होना है। नदी चाहे पहाड़ों से निकले, मैदानी प्रदेशों से बहे या अनेक मोड़ों से गुजरते हुए आगे बढ़े—उसकी दिशा अंततः सागर की ओर ही रहती है।

उसी तरह मनुष्य जीवन भी विविध अनुभवों, संघर्षों और भ्रमों से होकर गुजरता है, पर उसकी आत्मा का वास्तविक गंतव्य ईश्वर ही है। एक छोटी सी बूँद जब सागर में मिलती है, तो उसका अलग अस्तित्व समाप्त नहीं होता, बल्कि वह विराट का हिस्सा बन जाती है। इसी प्रकार जीव जब प्रभु की शरण में जाता है, तो वह सीमित अहंकार से मुक्त होकर अनंत चेतना का अंश बन जाता है। मनुष्य भला हो या बुरा, सज्जन हो या दुर्जन, पापी हो या पुण्यात्मा—यदि वह सच्चे हृदय से प्रभु को स्वीकार कर ले, तो उसके जीवन की दिशा बदल सकती है। ईश्वर का द्वार सबके लिए खुला है। जीवन में दो प्रकार के भ्रम मनुष्य को भटका देते हैं—हीन भावना औ अहंकार। जब हम अपनी दुर्बलताओं का अत्यधिक विचार करते हैं, तो आत्मविश्वास खो बैठते हैं। स्वयं को अयोग्य मानने लगते हैं। दूसरी ओर, जब हम अपने गुणों और सत्कर्मों का बखान करते हैं, तो भीतर अहंकार जन्म लेता है। दोनों ही अवस्थाएं आध्यात्मिक प्रगति में बाधक हैं। वास्तविकता यह है कि जीव की अपनी कोई स्वतंत्र सामर्थ्य नहीं। जो कुछ भी हमें प्राप्त हुआ है—प्रतिभा, अवसर, सम्मान, सफलता—सब प्रभु की कृपा से ही है। यह भाव जब हृदय में दृढ़ होता है, तब न हीनता रहती है और न अहंकार। केवल कृतज्ञता और विनम्रता का भाव शेष रहता है। मनुष्य काम, क्रोध और विषयवासना के जाल में फंसकर बार-बार दुख का अनुभव करता है। वह जानता है कि ये बंधन उसे नीचे गिराते हैं, फिर भी उनसे मुक्त नहीं हो पाता। इसका कारण है—अहंकारपूर्ण प्रयास। जब तक मनुष्य स्वयं को ही कर्ता मानता है, तब तक मुक्ति कठिन है। प्रभुकी कृपा ही वह शक्ति है, जो भीतर से परिवर्तन लाती है।

गोविन्द की कृपा से ही मन का विकार शांत होता है और माया पर विजय प्राप्त होती है। जब हम स्वीकार करते हैं कि हम अकेले समर्थ नहीं, तब ईश्वर की सहायता का द्वार खुलता है। यही शरणागति का प्रारंभ है। जीवन में हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि प्रभु चरणों में हमारी प्रीति निरंतर बढ़ती रहे। संत वचनों में विश्वास दृढ़ हो और प्रभु कथा में अनुराग जागृत रहे। सत्संग, भजन, ध्यान और सेवा—ये सभी साधन उसी दिशा में ले जाते हैं। जब मन प्रभु की ओर मुड़ता है, तब संसार की उलझनें उतनी भारी नहीं लगतीं। परिस्थितियां बदलें या न बदलें, दृष्टिकोण अवश्य बदल जाता है। यही आंतरिक शांति का आधार है। तुम्हें प्रभु सन्मुख होने की केवल देर है। जैसे ही हृदय से पुकार उठती है, वैसे ही कृपा का प्रवाह आरंभ हो जाता है। उसके बाद अपने जीवन को उसी परम सत्ता पर छोड़ देना ही सच्ची शरणागति है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

वह एक बार फिर अमेरिका के सामने समर्पण करेंगे। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में मोदी की स्थिति कमजोर हुई है। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा 'प्रधानमंत्री ने देशहित से समझौता किया है। उनका विश्वासघात अब सबके सामने है।

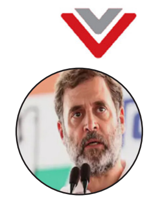

राहुल गांधी
नेता विपक्ष

राहुल गांधी हमारे नेता हैं और वे कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के लिए यहां आए हैं। यह स्पष्ट है कि उन्होंने भाजपा और पीएम मोदी का 'असली चेहरा' उजागर किया है, और ठीक इसी वजह से उन्हें इस तरह से निशाना बनाया जा रहा है।

हर्षवर्धन सपकाल
महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख

अमेरिका के इस रुख और अदालती फैसले के बाद भारत में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया है।

पी चिदंबरम
वरिष्ठ नेता कांग्रेस

इन कार्यकर्ताओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया, उल्टी टी-शर्ट पहनकर अंदर प्रवेश किया और अंदर जाकर टॉपलेस होकर प्रदर्शन किया। यह भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। इन्होंने राहुल गांधी के कहने पर जो किया है, उसको लेकर हिंदुस्तान के युवाओं में, खासकर जेन जी में, आक्रोश है।

संबित पात्रा
सांसद, भाजपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

टीएमसी विद्यालय में पढ़ाई गई तेग बहादुर साहिब की जीवनी

ठाणे। ठाणे नगर निगम स्कूल नंबर 33 में 'हिंद द चादर' पहल के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉक्यूमेंट्री चित्रकथा के माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु तेग बहादुर साहिब के प्रेरणादायी जीवन, मानवता के प्रति उनकी सेवा और उनके सर्वोच्च बलिदान से परिचित कराया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरुजी द्वारा धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिसका मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति, सामाजिक प्रतिबद्धता और सहनशीलता की भावना विकसित करना था। इस गरिमामयी कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इतिहास की इस महान विभूति के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मनपा स्कूल में प्रभातफेरी के जरिए गुरु तेग बहादुर साहिब के संदेश का प्रसार

ठाणे। ठाणे नगर निगम स्कूल नंबर 18 में 'हिंद-दी-चादर' पहल के अंतर्गत प्रधानाचार्य परदेशी के मार्गदर्शन में एक भव्य प्रभातफेरी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान छात्रों ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन, उनके परोपकारी कार्यों और मानवता के प्रति उनके बलिदान को समर्पित नारे लगाकर क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता पैदा की। इस प्रभातफेरी का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों का संदेश देना था, साथ ही विद्यार्थियों में देशभक्ति और महान ऐतिहासिक विभूतियों के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना था। इस तरह की शैक्षणिक गतिविधियों से न केवल बच्चों को इतिहास की प्रेरक हस्तियों को जानने का अवसर मिल रहा है, बल्कि उनके जीवन से त्याग और साहस की शिक्षा भी मिल रही है।

'माझी वसुंधरा अभियान 5.0' में ठाणे महानगर पालिका ने हासिल किया राज्य स्तर पर तीसरा स्थान

मुंबई/ठाणे। मुंबई के वर्ली स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में ठाणे महानगर पालिका (TMC) को 'माझी वसुंधरा अभियान 5.0' के तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाली 'अमृत' श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राज्यपाल आचार्य देवव्रत और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा ठाणे की मेयर शर्मिला पिंपोलकर और म्युनिसिपल कमिश्नर सौरभ राव को प्रदान किया गया। 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के दौरान, TMC ने पर्यावरण संरक्षण के पंचतत्वों—पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि और आकाश—पर केंद्रित अभूतपूर्व कार्य किए, जिसमें 81,000 से अधिक वृक्षारोपण, 99 नए हरित क्षेत्रों का निर्माण, ई-बस सेवा का विस्तार और कचरा प्रबंधन के प्रभावी उपाय शामिल हैं। वायु गुणवत्ता में सुधार, जल निकायों के पुनरुद्धार और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने के इन सामूहिक प्रयासों ने ठाणे को पर्यावरण स्थिरता के मामले में राज्य के अग्रणी शहरों की सूची में लाकर खड़ा कर दिया है।

पहली ही महासभा में जनहित के दमदार फैसले

▶▶ **200 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की गई शास्ती**

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका की पहली सर्वसाधारण सभा शुक्रवार, 20 फरवरी को आयोजित की गई। महापौर सुजाता पाटील की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जनहित से जुड़े कई अहम और प्रभावी निर्णय लिए गए। वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए किसी भी प्रकार की कर वृद्धि न करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। महासभा में संपत्ति कर पर लगने वाली शास्ती को 200 प्रतिशत से घटाकर केवल 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। यह फैसला हजारों नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित होगा, जो अब तक भारी दंडात्मक कर के बोझ से जूझ रहे थे। प्रशासन के इस कदम को आम जनता के हित में ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है।

कर वृद्धि पर पूर्ण विराम

वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए कर वृद्धि न करने का प्रस्ताव भी पास किया गया। सदस्य सुरज पाटील ने कहा कि गणेश नाईक का नेतृत्व नवी मुंबईकरों के सपनों को साकार कर रहा है। उन्होंने दोहराया कि जो वादा किया गया है, उसे निभाया जाएगा और आने वाले वर्षों में भी कर वृद्धि नहीं की जाएगी।

चुनावी वादे की पूर्ति

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इसे अपनी चुनावी वचनपूर्ति बताया है। महापालिका चुनाव के दौरान वनमंत्री गणेश नाईक ने आश्वासन दिया था कि पिछले बीस वर्षों की तरह आगे भी नवी मुंबईकरों पर संपत्ति कर और पानीपट्टी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा। साथ ही जरूरत के तहत बने घरों पर लगाई जाने वाली जाचक शास्ती कम करने का वादा भी किया गया था। सभागृह नेता सागर नाईक ने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि प्राकृतिक परिवार वृद्धि के कारण गांव, गावठाण और एलआईजी क्षेत्रों में अतिरिक्त निर्माण हुए हैं, जिन्हें अवैध बताकर दोगुनी शास्ती लगाई गई थी। उन्होंने इसे आम मेहनतकश जनता पर अन्याय बताया और 200 प्रतिशत के बजाय 5 प्रतिशत शास्ती लगाने का प्रस्ताव रखा। वरिष्ठ सदस्य सुधाकर सोनवणे ने झोपड़पट्टी क्षेत्रों को भी इस प्रस्ताव में शामिल करने की मांग की। सदस्य भारती पाटील ने कहा कि जाचक शास्ती के कारण एलआईजी वर्ग पर कर और ब्याज का भारी बोझ पड़ा है।

छोटे घरों को करमाफी का प्रस्ताव

इससे पहले 500 वर्गफुट तक के आवासीय घरों को पूर्ण करमाफी और 501 से 700 वर्गफुट तक के घरों को 75 प्रतिशत कर छूट देने का प्रस्ताव राज्य सरकार की मंजूरी के लिए भेजा गया है। इस संदर्भ में राज्य सरकार को स्मरणपत्र भेजने का सुझाव सागर नाईक ने रखा।

सरकारी डिस्पेंसरी से रेलवे रखेगी यात्रियों की 'तबीयत' का ख्याल

▶▶ **तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कई उपनगरीय स्टेशनों पर ईएमआर स्थापित**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (ईएमआर) स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल की है। मुंबई मंडल के अंतर्गत कई उपनगरीय स्टेशनों पर इन केंद्रों की स्थापना की गई है, ताकि दुर्घटना, अचानक बीमारी या अन्य आपात स्थितियों में फंसे यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सके।

कई स्टेशनों पर ईएमआर कार्यरत, विस्तार जारी

भायखला, कल्याण और वाशी स्टेशनों पर ईएमआर पहले से संचालित हैं। इसके अलावा कालवा, टिटवाला और कर्जत में भी सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। लोकमान्य तिलक टर्मिनस, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, मुंब्रा, मानखुर्द और चेंबूर सहित अन्य स्टेशनों पर भी ईएमआर स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। मुंबई मंडल के 44 स्टेशनों के लिए निविदाएं जारी की गई हैं।

चौबीसों घंटे उपलब्ध जीवनरक्षक सुविधाएं

इन आपातकालीन चिकित्सा कक्षों में बुनियादी जीवन रक्षक उपकरण, ऑक्सीजन, स्ट्रेचर और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हैं। योग्य डॉक्टरों और प्रशिक्षित पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा 24 घंटे सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही पोर्टेबल लैब, मेडिकल स्टोर और एम्बुलेंस की सुविधा भी मौजूद है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य 'गोल्डन आवर' के दौरान त्वरित चिकित्सा सहायता देकर यात्रियों की जान बचाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

रील से भरी रेलवे की तिजोरी

▶▶ **पश्चिम रेलवे ने फिल्म शूटिंग से अर्जित की ₹1.72 करोड़ की रिकॉर्ड आय**

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे सिर्फ मुसाफिरों को ही मंजिल तक नहीं पहुँचा रही, बल्कि अब फिल्म नगरी में भी अपनी धाक जमा रही है। साल 2025-26 में पश्चिम रेलवे ने फिल्मों, वेब सीरीज और विज्ञापनों की शूटिंग के जरिए छप्पर फाड़ कमाई की है। 15 फरवरी 2026 तक का हिसाब देखें तो रेलवे की झोली में लगभग 1.72 करोड़ आए हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 25% ज्यादा है।

बड़े पर्दे पर दिखेंगे रेलवे के नजारे

रेलवे की लोकेशन पर 'सिकंदर', 'फतेह', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्मों के साथ-साथ कोलगेट और पेटीएम जैसे बड़े ब्रैंड्स के विज्ञापनों की भी जमकर शूटिंग हुई।

'सिंगल विंडो' से मिली झटपट मंजूरी

पहले शूटिंग की परमिशन के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन अब रेलवे ने 'एक ही खिड़की' वाला ऐसा सिस्टम बनाया है कि फिल्म वालों का काम चुटकियों में हो जाता है। जनसंपर्क विभाग खुद ही सारी फाइलें दौड़कर क्लियर करवा देता है। इससे फिल्म मेकर्स को भटकना नहीं पड़ता और रेलवे की तिजोरी भी भर रही है।

वंदे भारत में पहली बार 'लाइट, कैमरा, एक्शन!'

इस बार सबसे खास बात यह रही कि देश की शान 'वंदे भारत एक्सप्रेस' के दरवाज़े भी शूटिंग के लिए खोल दिए गए। यह पहली बार हुआ है जब किसी फिल्म की टीम ने इस मॉडर्न ट्रेन के अंदर अपनी कहानी फिल्माई हो। इसके अलावा लोकल ट्रेन, स्टेशन और याड्‌र्स में भी खूब कैमरे गरजे।

पहली ही आम सभा में पानी को लेकर धुआंधार रार

संपत्ति कर में 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव अस्वीकार

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर की आम सभा में पानी की समस्या को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। नगरसेवक संजय सिंह ने स्थायी समिति के गठन से पहले आम सभा बुलाने पर आपत्ति जताते हुए इसे नियमों के विरुद्ध बताया। दूषित पानी, पाइपलाइन फटने, कम दबाव और अनियमित जल आपूर्ति जैसे मुद्दों पर तीखी बहस हुई। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में एक दिन छोड़कर पानी आता है और वह भी तय समय पर नहीं, जिससे 30 से 40 प्रतिशत पानी रिसाव में बर्बाद हो रहा है।

नागरिकों पर बढ़ता आर्थकि बोझ

नगरसेवकों ने बताया कि अनियमित जलापूर्ति के कारण लोगों को 750 रुपये तक देकर पानी के टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं। प्रति घर दो-दो पानी के बिल भेजे जाने और जर्जर इमारतों पर लगातार कर वसूली का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया। इस पर नागरिकों की परेशानी को गंभीर बताते हुए तत्काल समाधान की मांग की गई।

अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

नगरसेवक अरुण आशान ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त कर्मचारी और अधिकारी होने के बावजूद काम में सुधार नहीं दिख रहा है। पानी की आपूर्ति के समय बिजली बाधित होने और शिकायत के दौरान अधिकारियों द्वारा फोन न उठाने पर भी नाराजगी जताई गई।

समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

नगरसेवकों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हर आम बैठक में यह मुद्दा उठाया जाएगा। मनपा आयुक्त ने जल व्यवस्था में खामियां स्वीकार करते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि पानी और कर के बिल अलग-अलग नहीं भेजे जाएंगे।

जल कर और संपत्ति कर वृद्धि का विरोध

बैठक में जल कर और संपत्ति कर की बढ़ी हुई दरों का भी कड़ा विरोध किया गया। आरसीसी पर कर 3600 से बढ़ाकर 8000, बैरकों पर 1800 से बढ़ाकर 6500 और झुग्गी-झोपड़ियों पर 1200 से बढ़ाकर 3000 करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई गई। इसे आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ बताया गया।

संशोधित दरें तय, संपत्ति कर वृद्धि खारिज

विरोध के बाद संशोधित दरें तय की गईं, जिनके अनुसार आरसीसी पर कर 4400, बैरकों पर 2300 और झुग्गी-झोपड़ियों पर 1500 निर्धारित किया गया। वहीं, संपत्ति कर में प्रस्तावित 10 प्रतिशत वृद्धि को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया गया। इस फैसले को नागरिकों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

जनता के द्वार पहुँचेगी सरकार

▶▶ **'छत्रपति शिवाजी महाराज समाधान शिविर' का आगाज़**

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र सरकार ने आम जनता, किसानों, महिलाओं और विद्यार्थियों की राजस्व विभाग से जुड़ी रोज़मर्रा की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 'छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर' अभियान के पहले चरण को लागू करने का अहम निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य राजस्व विभाग को अधिक जन-केंद्रित, कुशल और गतिशील बनाना है,

तहसील स्तर पर लगेंगे विशेष शिविर

यह शिविर प्रत्येक जिले के तहसील स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत 18 फरवरी से 5 मार्च 2026 तक प्रारंभिक तैयारी की जाएगी, जबकि मुख्य शिविर 7 मार्च से शुरू होंगे। इस विशेष पहल में 'सिंगल डे सर्विस डिलीवरी' पर जोर दिया जाएगा, साथ ही नागरिकों को राजस्व संहिता के नए नियमों के बारे में जागरूक किया जाएगा। ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और निवासी उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने ने नागरिकों से इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

ठाणे जिला सिविल अस्पताल में मिर्गी की स्क्रीनिंग और गाइडेंस कैंप

ठाणे। ठाणे जिला सिविल अस्पताल में मिर्गी जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी को लेकर एक विशेष स्क्रीनिंग और गाइडेंस कैंप आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना और मरीज़ों को सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। मरीज़ों और उनके अभिभावकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के चलते कुल 110 लोगों की जांच की गई और उन्हें आवश्यक उपचार, काउंसलिंग व आगे की मेडिकल सलाह दी गई।

विशेषज्ञों की निगरानी में व्यापक जांच

यह कैंप डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ प्रोग्राम और नेशनल चाइल्ड हेल्थ प्रोग्राम के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर और सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने किया। ऑडियो थेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, फिजियोथेरेy, साइकोलॉजिकल टेस्टिंग जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

बच्चों पर विशेष ध्यान

नेशनल चाइल्ड हेल्थ प्रोग्राम के तहत ठाणे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 0 से 18 वर्ष तक के 65 बच्चों की जिला स्तर पर जांच की गई। उन्हें समय पर उपचार और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे अभिभावकों में भरोसा और राहत का माहौल देखा गया। विशेषज्ञों ने कहा कि बचपन में सही पहचान और इलाज से मिर्गी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सामाजिक कल्याण का प्रभावी मॉडल

डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर ने मिर्गी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया। सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि एक ही स्थान पर सभी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की बड़ी उपलब्धि है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

नक्षत्र कमजोर हो तो क्या करें? सरल मंत्र उपाय

यदि नक्षत्र निर्बल हो जाये तो यह अपने ही परिवार के लोगों को बैरी बनाने लगता है। मित्र शत्रु बनने लगते हैं आपकी कुंडली से जुड़े इस जन्म नक्षत्र को बलिष्ठ करने के लिए एक बहुत ही सरल और अचूक उपाय है। वह अचूक उपाय

प्रियंका जैन
9769994439

भरणी नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों को चन्द्रमा के गोचर काल में ₹ॐ ह्रीं₹ मंत्र का जाप एक माला अर्थात 108 बार करना चाहिए। यह मंत्र सभी विपत्ति व् बाधाओं को दूर करता है।

कृतिका व उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा का गोचर काल में गायत्री मंत्र ₹ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्॥₹ का जाप करना चाहिए। सभी बाधाएं दूर होंगी।

रोहिणी व मृगशिरा नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल में ₹ॐ ऋं, ॐ ऌं₹ मंत्र का जाप एक माला अर्थात 108 बार करना चाहिए। यह अनिष्ट प्रभावों को दूर कर शुभ फल प्रदान करता है।

आर्द्रा, मघा, अश्लेषा, पूर्वाफाल्गुनी व अभिजित नक्षत्र -इस नक्षत्र के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल में भगवान् शिव के पंचाक्षरी मंत्र ₹ॐ नमःशिवाय₹ का एक माला जाप करना चाहिए। इससे सभी दोष दूर होते हैं।

पुनर्वसु ,पुष्य, हस्त व अनुराधा नक्षत्र -

₹ॐ₹ मंत्र का एक माला जाप चन्द्रमा के गोचर काल में करने से सभी प्रकार के क्लेश दूर होते हैं।

चित्रा, मूल, धनिष्ठा व स्वाति नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ ऐं ह्रीं क्लीं सरस्वत्यै नमः₹ मंत्र का एक माला जाप जातक को शुभ फल दायी होता है।

विशाखा नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ यम् या ॐ राम₹ का एक माला तक जाप जातक के पापत्व मिटाकर शुभता बढ़ाते हैं।

ज्येष्ठा नक्षत्र - इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ धं₹ मंत्र का एक माला जाप लाभप्रद होता है।

पूर्वाषाढ़ नक्षत्र -इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ बँ₹ मंत्र का एक माला जाप करने से सुख व सफलता की प्राप्ति होती है।

उत्तराषाढ़ व श्रवण नक्षत्र -

इस राशि के जातकों के लिए चन्द्रमा के गोचर काल के दौरान ₹ॐ भाम्₹ मंत्र का एक माला जाप समस्त परेशानियों को दूर कर आरोग्य व् यश की वृद्धि करता है।

रास नहीं आई जिंदगी, पीयूष ने पिस्टल से कनपटी उड़ाई

- सर्विस पिस्टल की गोली लगने से पुलिस के कांस्टेबल की मौत
- विदेश में रहता है बड़ा भाई, अनुकंपा आधार पर मिली थी नौकरी

एजेंसी । बागपत

उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में दिल्ली पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल की गोली लगने से मृत्यु हो गई। घटना दोघट थाना क्षेत्र के आजमपुर मूलसम गांव की है। पुलिस ने मौके से संबंधित सर्विस पिस्टल बरामद कर ली है और प्रकरण की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान पीयूष के रूप में हुई है, जो मूल रूप से आजमपुर मूलसम गांव का निवासी था और दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2018-19 में अपने पिता के निधन के बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति के तहत सेवा में लिया गया था। परिवार में उसका बड़ा भाई विदेश में कार्यरत है। पीयूष अविवाहित था। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा सभी साक्ष्यों के परीक्षण के उपरांत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

शराब का लती था पुलिस कांस्टेबल

दोघट थाना पुलिस ने घटनास्थल से सर्विस पिस्टल कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दी है। थाना प्रभारी सूर्यदीप सिंह के अनुसार प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि मृतक को शराब की लत थी और घटना के समय उसके नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक परिस्थितियों का निर्धारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक विश्लेषण के आधार पर किया जाएगा।

देर शाम घर पर चली पिस्टल से गोली

परिजनों के अनुसार शुक्रवार शाम वह अपने गांव आया था। देर शाम घर पर उसकी सर्विस पिस्टल से गोली चलने की घटना हुई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल बड़ौत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया गया। बाद में उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पूरे राज्य में फुटपाथ बनवाएगी नीतीश सरकार

- 'सबका सम्मान-जीवन आसान' पहल: राज्यभर में पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ और सुरक्षा ढांचा विकसित होगा

एजेंसी । पटना

राज्य सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पैदल यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक अधोसंरचनात्मक सुधारों की घोषणा की है। यह पहल 'सबका सम्मान-जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि 'सात निश्चय-3 (2025-30)' के सातवें संकल्प के तहत आम नागरिकों के दैनिक जीवन को सुगम बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सड़कों पर पैदल चलने वालों के लिए समर्पित फुटपाथ निर्माण का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वाहनों की संख्या में वृद्धि के कारण पैदल यात्रियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सुरक्षित और सम्मानजनक आवागमन को उनका मौलिक अधिकार बताते हुए उन्होंने परिवहन विभाग, बिहार को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

समर्पित फुटपात योजना पर एक नजर

- राज्यभर में सड़कों के किनारे फुटपाथ निर्माण की योजना
- भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की पहचान कर प्राथमिकता से कार्य
- चयनित स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग की व्यवस्था
- फुट ओवरब्रिज, एस्केलेटर और अंडरपास का निर्माण
- दुर्घटना संभावित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे
- सरकारी व निजी वाहन चालकों के लिए संवेदनशीलता प्रशिक्षण
- सड़क सुरक्षा मानकों के अनुरूप अधोसंरचना विकसित करने के निर्देश

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता

सरकारी योजना के तहत भीड़-भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर फुटपाथों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चयनित स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग, फुट ओवरब्रिज, एस्केलेटर और अंडरपास जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सड़क सुरक्षा मानकों के अनुरूप दुर्घटना संभावित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और पैदल यात्रियों के लिए समुचित संकेत व्यवस्था विकसित करने का भी निर्देश दिया गया है।

चालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाहन चालकों में संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से सरकारी एवं निजी चालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, ताकि सड़क पर पैदल चलने वालों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभागों को योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राज्य की सड़कों पर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

11 लोगों से भरी वैन तालाब में गिरी, चार की मौत

- पारिवारिक कार्यक्रम से घर लौटते समय हुआ हादसा
- एक ही परिवार के चार लोगों की हुई मौत, पांच घायल

कानपुर देहात। जनपद के शिवली थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई। दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की डूबने से मृत्यु हो गई, जबकि अन्य पांच लोग घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार औरैया निवासी राजकिशोर अपने परिवार के साथ कानपुर नगर के कल्याणपुर क्षेत्र में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम के बाद कुल 11 लोग वैन से औरैया लौट रहे थे। बैरी सवाई गांव के पास वाहन संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे स्थित तालाब में जा गिरा।

घायलों को हैलट हास्पिटल ले जाया गया

अन्य घायलों—कृतिका अग्निहोत्री (30), सुधा वाजपेयी (45), वाणी (3), कान्हा (4) और सुधांशु अग्निहोत्री (24)—को प्राथमिक उपचार के बाद उन्नत चिकित्सा के लिए हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। प्रारंभिक जांच में वाहन के अनियंत्रित होकर तालाब में गिरने की बात सामने आई है।

बचाने के लिए गोताखोरों को उतारा

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने राजकिशोर, उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), उनकी पुत्री हिमांशु अग्निहोत्री (30) तथा दो वर्षीय शिव अग्निहोत्री को मृत घोषित कर दिया।

ऑपरेशन "नन्हे फरिश्ते": पांच बच्चों को मिला नया जीवन

भागलपुर। बाल सुरक्षा एवं यात्री संरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के अंतर्गत विशेष अभियान संचालित किया गया। यह अभियान मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ मालदा आशीम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। अभियान के दौरान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के स्टाफ द्वारा स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में गहन जांच की गई, जिसमें पाँच नाबालिग बालक असुरक्षित परिस्थिति में पाए गए। तत्परता दिखाते हुए सभी बालकों को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के उपरांत सभी रेस्क्यू किए गए नाबालिगों को आगे की देखभाल एवं वैधानिक कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया।

IGRS: मनमानी पर उतारू हैं आलाधिकारी, नहीं मिलेगी पगार

- शिकायतों के अपूर्ण निस्तारण पर जिलाधिकारी जौनपुर सख्त
- एसडीएम, उपनिदेशक कृषि और तहसीलदारों के खिलाफ कार्यवाही

एजेंसी । जौनपुर

जन शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता पाए जाने पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए, जिसमें आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की प्रगति की जांच की गई।

'स्पेशल क्लोज' श्रेणी दिखाया

समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कुछ विभागों द्वारा शिकायतों का निस्तारण बिना समुचित स्थलीय जांच और शिकायतकर्ता से संपर्क स्थापित किए ही कर दिया गया। कई मामलों को 'स्पेशल क्लोज' श्रेणी में दर्ज किए जाने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया और इसे शासन की मंशा के विपरीत बताया।

वास्तविक स्थिति का सत्यापन

उन्होंने उपजिलाधिकारी सदर, उपनिदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता विद्युत और सभी तहसीलदारों समेत संबंधित अधिकारियों का चालू माह का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का तथ्यपरक, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और रिपोर्ट अपलोड करने से पूर्व वास्तविक स्थिति का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए।

जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया और अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा भविष्य में लापरवाही पाए जाने पर उत्तरदायित्व तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़: इंटर के बाद दसवीं बोर्ड की परीक्षा शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज शनिवार 21 फरवरी को दसवीं बोर्ड की परीक्षा शुरू हो गई है। जिसको लेकर परीक्षा केंद्रों में हलचल शुरू हो गई है। इस साल परीक्षा के लिए 6,839 स्कूलों से 3,21,571 स्टूडेंट एग्जाम देंगे। जिसको लेकर पूरी तरह से तैयारी शुरू हो गई है। रायपुर के जेएन पांडेय स्कूल में परीक्षार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सुबह 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक परीक्षा चलेगी। पहले दिन हिन्दी विषय का पेपर है। इस साल परीक्षा के लिए 6,839 स्कूलों से 3,21,571 स्टूडेंट रजिस्टर्ड हुए हैं। राज्यभर में 2,510 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। वहीं अकेले रायपुर में 151 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार रायुपर में कुल 27,519 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। बोर्ड की तरफ से जारी टाइम टेबल के अनुसार, 10वीं की परीक्षा 13 मार्च तक चलेगी। इससे पहले शुक्रवार को 12वीं के एग्जाम हुए थे।

व्यापार जगत

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नया आदेश जारी

अब 10% ग्लोबल टैरिफ का प्लान

वॉशिंगटन डीसी/नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व टैरिफ आदेश निरस्त किए जाने के कुछ घंटों के भीतर अधिकांश आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अस्थायी वैश्विक अधिभार लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी किया है। यह शुल्क 24 फरवरी को वॉशिंगटन समयानुसार 12:01 बजे से प्रभावी होकर 24 जुलाई तक लागू रहेगा। व्हाइट हाउस द्वारा जारी तथ्य पत्रक के अनुसार यह कदम Trade Act of 1974 की धारा 122 के तहत उठाया गया है, जो राष्ट्रपति को 150 दिनों तक अधिकतम 15 प्रतिशत का अस्थायी आयात अधिभार लगाने का अधिकार देता है। प्रशासन ने तर्क दिया है कि बढ़ता व्यापार घाटा और अंतरराष्ट्रीय भुगतान असंतुलन अमेरिकी आर्थिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बन रहा है।

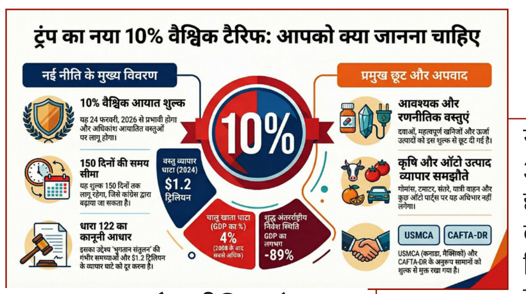

राजस्व और नीति संकेत

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि वर्ष 2026 में टैरिफ से होने वाली आय लगभग स्थिर रहने की संभावना है और प्रशासन वैकल्पिक कानूनी प्रावधानों के माध्यम से राजस्व संग्रह जारी रखेगा। विश्लेषकों के अनुसार यह निर्णय वैश्विक व्यापार संबंधों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रभाव डाल सकता है, जबकि निकट अवधि में आयात लागत बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

इन वस्तुओं पर लागू होगा शुल्क

नया 10 प्रतिशत ऐड-वेलोरम शुल्क अधिकांश आयातित वस्तुओं पर लागू होगा और यह मौजूदा कस्टम ड्यूटी के अतिरिक्त वसूला जाएगा। हालांकि निम्न श्रेणियों को छूट दी गई है उनमें महत्वपूर्ण खनिज एवं दुर्लभ धातुएं, ऊर्जा उत्पाद, औषधियां और फार्मास्युटिकल कच्चा माल, चयनित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, एयरोस्पेस उत्पाद और कुछ कृषि उत्पाद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त US-Mexico-Canada Agreement (USMCA) के तहत शुल्क-मुक्त वस्तुएं तथा Dominican Republic-Central America Free Trade Agreement (CAFTA-DR) के अंतर्गत आने वाले वस्त्र इस अधिभार से मुक्त रहेंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का संदर्भ

इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट आफ यूनाइटेड स्टेट ने 6-3 के बहुमत से निर्णय देते हुए कहा था कि International Emergency Economic Powers Act (IEEPA) के तहत व्यापक स्तर पर टैरिफ लगाना वैधानिक सीमाओं से परे है। अदालत के फैसले के बाद पूर्व में लगाए गए कुछ शुल्क निरस्त कर दिए गए। इन आदेशों को 1500 से अधिक कंपनियों ने चुनौती दी थी। कानूनी विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि आयातकों के पक्ष में अंतिम निर्णय आता है तो संघीय सरकार को अरबों डॉलर का रिफंड करना पड़ सकता है।

व्यापार सूचकांक: आधार वर्ष 2022-23 निर्धारित, नई श्रृंखला लागू

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष को संशोधित करते हुए वित्त वर्ष 2012-13 के स्थान पर वित्त वर्ष 2022-23 निर्धारित किया है। संशोधित श्रृंखला में वर्ष 2022-23 को 100 के आधार के रूप में स्वीकार किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय, भारत द्वारा जारी जानकारी के अनुसार यह परिवर्तन अर्थव्यवस्था में आए संरचनात्मक बदलावों, वस्तुओं की परिवर्तित संरचना, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव और व्यापार के विकसित होते पैटर्न को परिलक्षित करने के उद्देश्य से किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि अद्यतन आधार वर्ष से व्यापार संबंधी सांख्यिकीय आंकड़ों की प्रासंगिकता और विश्लेषणात्मक उपयोगिता बढ़ेगी।

DGCI&S प्रकाशित करता है सूचकांक

व्यापार सूचकांक वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCI&S) द्वारा संकलित और प्रकाशित किए जाते हैं। ये सूचकांक बाह्य व्यापार में मूल्य प्रवृत्तियों के आकलन, राष्ट्रीय आय लेखांकन तथा व्यापार की शर्तों (Terms of Trade) के विश्लेषण के लिए प्रमुख संकेतक माने जाते हैं। मंत्रालय के अनुसार आधार वर्ष का यह अद्यतन वर्तमान आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप आंकड़ों को समायोजित करने में सहायक होगा।

साप्ताहिक समीक्षा: बैंकिंग शेयर्स मजबूत, दबाव में आईटी सेक्टर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में 16 से 20 फरवरी के कारोबारी सप्ताह के दौरान सीमित दायरे में सकारात्मक रुख देखने को मिला। सप्ताह के अंतिम सत्र में खरीदारी बढ़ने से प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। Nifty 50 0.46 प्रतिशत चढ़कर 25,571.25 पर और BSE Sensex 0.38 प्रतिशत बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में लगभग 0.4 प्रतिशत तथा सेंसेक्स में करीब 0.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 16 प्रमुख सेक्टरों में से 12 हरे निशान में रहे। मिडकैप सूचकांक में 0.1 प्रतिशत की हल्की बढ़त रही, जबकि स्मॉलकैप 0.2 प्रतिशत फिसला।

सरकारी बैंकिंग शेयरों में अग्रणी बढ़त

सप्ताह के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वाधिक तेजी दर्ज की गई। सरकारी बैंक सूचकांक लगभग 5.5 प्रतिशत चढ़ा और पिछले दो सप्ताह में कुल 8.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज कर चुका है। विश्लेषकों के अनुसार बेहतर तिमाही नतीजों, परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार और संभावित विदेशी निवेश प्रवाह की उम्मीदों ने इस खंड को समर्थन दिया। इसके विपरीत निजी बैंकिंग शेयरों में 0.8 प्रतिशत तथा व्यापक वित्तीय शेयरों में 0.3 प्रतिशत की बढ़त रही। ऊर्जा क्षेत्र 2.4 प्रतिशत और एफएमसीजी 1.7 प्रतिशत मजबूत रहे।

आईटी और वैश्विक कारक बने दबाव

आईटी सूचकांक सप्ताह में 2.1 प्रतिशत गिरा और लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट में रहा, जो पिछले छह महीनों की सबसे लंबी गिरावट श्रृंखला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण कारोबार मॉडल में संभावित बदलाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अतिरिक्त अमेरिका-ईरान तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि की आशंका ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया। भारत कच्चे तेल का प्रमुख आयातक होने के कारण ऊंची कीमतें अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकती हैं।

भारतीय पूंजी बाजार में व्यक्तिगत खुदरा निवेशकों की सक्रियता बढ़ी

सेकेंडरी मार्केट में 16,944 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और अंतरराष्ट्रीय तनाव के माहौल के बीच भारतीय पूंजी बाजार में व्यक्तिगत खुदरा निवेशकों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद जनवरी 2026 में इन निवेशकों ने सेकेंडरी मार्केट में 16,944 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी दर्ज की, जो अक्टूबर 2024 के बाद बीते 15 महीनों का सर्वाधिक मासिक निवेश है। National Stock Exchange of India (एनएसई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह रुझान दर्शाता है कि वैश्विक दबावों के बावजूद घरेलू खुदरा निवेशकों का भरोसा इक्विटी बाजार पर कायम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती खुदरा भागीदारी ने बाजार में अस्थिरता के दौर में स्थिरता प्रदान की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मासिक आधार पर खुदरा निवेशकों की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सेकेंडरी मार्केट से होने वाली निकासी में कमी आई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध निकासी घटकर 687 करोड़ रुपये पर सिमट गई है, जो बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

प्राइमरी मार्केट में भी मजबूत मौजूदगी

यदि प्राइमरी मार्केट के आंकड़ों को शामिल किया जाए, तो वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक खुदरा निवेशकों का कुल शुद्ध निवेश 40,685 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इसमें प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में बढ़ती भागीदारी की अहम भूमिका रही है। आंकड़े संकेत देते हैं कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद इक्विटी निवेश को लेकर खुदरा वर्ग का रुझान बना हुआ है। हालांकि, कुल खुदरा निवेश बीते वित्त वर्ष 2024-25 के 1.59 लाख करोड़ रुपये के स्तर से कम है। इससे स्पष्ट है कि निवेशकों ने अपेक्षाकृत स्थिर परिस्थितियों में ही निवेश को प्राथमिकता दी और पिछले वर्ष की तुलना में अधिक सतर्क रणनीति अपनाई।

सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी भारतीय टीम

आमने-सामने दो अजेय विजेता

- दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से होगा भारतीय क्रिकेट टीम का मुकाबला
- दोनों टीमों ने 4-4 मुकाबले खेले, सभी मैचों में मिली जीत

नंबर गेम

- 1 मैच दोनों ने अहमदाबाद में खेला है। पिछले साल खेले गए इस मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हराया था
- 7 मैच विश्व कप में दोनों ने खेले हैं जिसमें से भारत ने पांच और दक्षिण अफ्रीका ने दो जीते हैं
- 2 साल पहले विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से पराजित किया था

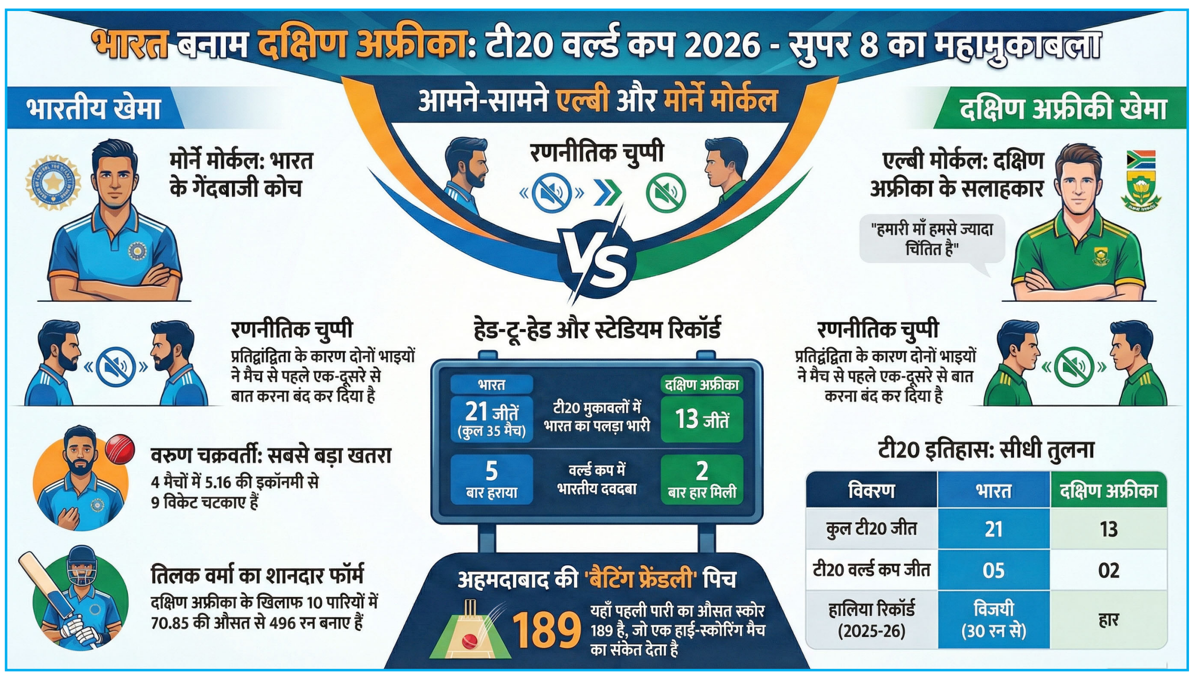

भारत को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है।

बल्लेबाजों को निभानी होगी जिम्मेदारी

भारतीय टीम के लिए भले ही अभिषेक की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन पहले चरण में तिलक की लचर बल्लेबाजी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 24 गेंदों में 25 रन, नामीबिया के खिलाफ 21 गेंदों में 25 रन और नीदरलैंड के खिलाफ 27 गेंदों में 31 रन बनाए। इस तरह से वह अभी तक अधिकतर मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 120 से थोड़ा ऊपर है जो उनके करियर के स्ट्राइक रेट 141 से काफी कम है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ 49 गेंद पर नाबाद 84 रन की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कोई खास कमाल नहीं दिखाया है।

दक्षिण अफ्रीका भी मजबूत दावेदार

दक्षिण अफ्रीका राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने भी इस टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। टीम ने अपने शुरुआती मुकाबलों में अच्छा खेल दिखाया है और आत्मविश्वास के साथ अगले दौर में प्रवेश किया है।

एजेंसी । अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारत ने खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया है, लेकिन उसकी असली परीक्षा अब शुरू होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन, केशव महाराज और एडेन मार्करम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज में 4 मुकाबले खेले थे और उसे सभी मैचों में जीत मिली थी। दक्षिण अफ्रीका ने भी ग्रुप स्टेज में 4 मुकाबले खेले और उसे हर मैच में जीत मिली।

मजबूत है गेंदबाजी आक्रमण

भारत को एक बात जो खतरनाक टीम और अब भी खिताब का प्रबल दावेदार बनाती है, वह है उसका गेंदबाजी आक्रमण जिसमें जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती के महत्वपूर्ण आठ ओवर शामिल हैं। पहले चरण में पाकिस्तान सहित कोई भी अन्य टीम भारतीय गेंदबाजों का सहजता से सामना नहीं कर पाई थी। वरुण ने चार मैचों में नौ विकेट लिए हैं और उन्होंने 5.16 की शानदार इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। बुमराह ने जो तीन मैच खेले हैं उसमें उन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए प्रति ओवर केवल छह रन ही दिए हैं।

कुछ ऐसा है हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का इतिहास बेहद प्रतिस्पर्धी रहा है, जिसमें अब तक खेले गए कुल 35 मुकाबलों में से भारत ने 21 और दक्षिण अफ्रीका ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है। टी20 विश्व कप जैसे बड़े मंच पर भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है, जहाँ 7 भिड़ंतों में भारत ने 5 बार जीत हासिल की है जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल 2 बार ही सफल हो पाया है। हालाँकि आंकड़े भारत के दबदबे को दर्शाते हैं, लेकिन दोनों टीमों की मौजूदा फॉर्म और दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती देने की क्षमता हर नए मुकाबले को बेहद रोमांचक और अनिश्चित बना देती है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच का मिजाज?

नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में काली और लाल मिट्टी की अलग-अलग पिचें हैं। लाल मिट्टी की पिचें काली मिट्टी की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक सहायता प्रदान करती हैं। यहां बल्लेबाजों को आमतौर पर रन बनाना आसान रहता है। हालांकि, शुरुआती कुछ ओवर चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। काली मिट्टी की पिच पर उछाल सामान्य होता है, लेकिन स्पिनरों को ज्यादा मदद मिलती है। विश्व कप को देखते हुए यहां रनों से भरी हुई पिच पर मैच हो सकता है।

दोनों टीमों के संभावित खिलाड़ी

दक्षिण अफ्रीका

क्विंटन डी कॉक, एडेन मार्कराम, रयान रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, जेसन स्मिथ, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नोर्त्जे, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, जॉर्ज लिंडे, ट्रिस्टन स्टब्स, क्वेना मफाका।

भारत

ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप

दो भाईयों की भी लड़ाई

विश्व कप के सुपर-आठ में रविवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। यह मुकाबला तो भारत और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के बीच होगा पर निगाह मोर्कल बंधुओं की रणनीति पर रहेगी। वर्षों तक साथ खेलने वाले मोर्कल बंधु अलग-अलग 'डगआउट' में बैठकर प्रतिद्वंद्वी टीमों के लिए रणनीति बनाते नजर आएंगे। घर पर बैठी उनकी मां इस उलझन में होंगी कि आखिर समर्थन किसे करें। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज एल्बी मोर्कल अपनी राष्ट्रीय टीम के विशेष सलाहकार हैं तो मोर्ने टीम इंडिया की गेंदबाजी कोच की अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। करियर के लिहाज से मोर्ने का अंतरराष्ट्रीय सफर अधिक लंबा और प्रभावशाली रहा। उन्होंने 86 टेस्ट में 309 विकेट लिए। वहीं एल्बी सीमित ओवरों के विशेषज्ञ रहे और टी-20 व वनडे में मिलाकर 100 से अधिक मैच खेले।

भारत की बेटियों ने रचा इतिहास

- ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली बार जीती सीरीज, 17 रन से आखिरी मैच में हराया
- जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन, मंधाना और एलिस पेरी ने भी रचा इतिहास

एडिलेड। सीरीज डिसाइडर मैच में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया ने न सिर्फ 3 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला जीता, बल्कि इस सीरीज पर भी कब्जा कर लिया। 177 रनों का टारगेट मेजबान ऑस्ट्रेलिया के सामने था, लेकिन टीम 159 रन ही 20 ओवर में बना सकी। भारत ने 17 रनों से इस मैच को जीता और 2-1 से सीरीज अपने नाम की। हरमनप्रीत कौर प्लेयर ऑफ द मैच रहीं, जिन्होंने 82 रनों की दमदार पारी खेली। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली बार कोई सीरीज जीती।

आखिरी टी20 में रिकॉर्ड्स की बारिश

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच शनिवार को खेले गए आखिरी टी20 मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झमाझम बारिश हुई है। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने एक तरफ अर्धशतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ा रिकॉर्ड कायम कर लिया तो दूसरी तरफ, जेमिमा रोड्रिग्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2500 रन पूरे कर लिए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया। वह 350 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा बार टी20I अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड

इस मैच में स्मृति मंधाना ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होने 55 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रनों की शानदार पारी खेली। इस अर्धशतकीय पारी के साथ मंधाना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा बार अर्धशतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। यह उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठवां अर्धशतक है। मंधाना ने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और तब से 29 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33.07 की औसत और 124.27 के स्ट्राइक रेट से 860 रन बनाए हैं। इस मैच में भारतीय टीम की विस्फोटक बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसी के साथ उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2500 रन पूरे कर लिए। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली।

सुपर-8 चरण में जीत के साथ आगाज करना चाहेगी इंग्लैंड

- टी-20 विश्व कप में 2012 के बाद से श्रीलंका से नहीं हारा है इंग्लैंड

एजेंसी । पाल्लेकल

टी-20 विश्व कप 2026 के 42वें मैच में इंग्लैंड क्रिकेट टीम का सामना श्रीलंका क्रिकेट टीम से 22 फरवरी को होगा। इंग्लैंड टीम ने अपने ग्रुप स्टेज के 3 मैच जीते थे और एक में शिकस्त झेली। श्रीलंका ने भी ग्रुप स्टेज के 3 मैच जीते थे और एक में हार का सामना किया था। सुपर-8 चरण का ये मुकाबला पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

हेड-टू-हेड

श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड का पलड़ा रहा है भारी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दोनों टीमों के बीच 14 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान इंग्लैंड को 10 मैचों में जीत मिली है। श्रीलंका ने 4 मैच अपने नाम किए हैं। टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं। 5 बार इंग्लैंड को जीत मिली है। श्रीलंका केवल 1 मैच (2012) जीतने में सफल रही है। आखिरी बार दोनों टीमों के बीच 2022 में भिड़ंत हुई थी, उस मुकाबले को इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीता था।

ऐसी हो सकती है इंग्लैंड की टीम

हैरी ब्रूक के नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक 3 जीत दर्ज की हैं, लेकिन सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और फिलिप सॉल्ट की खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। आगामी बड़े मुकाबले के लिए इंग्लैंड की संभावित एकादश में फिलिप सॉल्ट और जोस बटलर (विकेटकीपर) पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जबकि मध्यक्रम को मजबूती देने के लिए जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, कप्तान हैरी ब्रूक और विल जैक्स मौजूद रहेंगे।

बॉलीवुड

तापसी पन्नू ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ, कंगना रनौत को दिया संकेत

तापसी पन्नू और कंगना रनौत के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब थमता नजर आ रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ते हुए कंगना के साथ रिश्ते सुधारने की इच्छा जताई। उन्होंने साफ कहा कि उनके मन में कंगना के प्रति कोई निजी दुर्भावना नहीं है और वह दोस्ती के लिए तैयार हैं।

मैंने लड़ाई ही कब की?

दिए एक इंटरव्यू में तापसी ने विवाद को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि मैंने कभी कोई लड़ाई की। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में टकराते हैं, लेकिन मैं कभी नहीं टकराई। मेरे पुराने बयान देख लीजिए, क्या मैंने कभी उनके खिलाफ कुछ कहा है?

विवाद की जड़ पर भी की बात

तापसी ने बताया कि यह विवाद उनकी ओर से शुरू नहीं हुआ था। उन्होंने याद दिलाया कि कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने उन्हें 'सस्ती कॉपी' कहा था। तापसी ने कहा, अगर वह (कंगना रनौत) इतनी शानदार अभिनेत्री हैं तो मुझे उनकी कॉपी कहलाने में कोई समस्या नहीं है। मैं इसे तारीफ की तरह लेती हूं।

दोस्ती के लिए खुला रुख

तापसी ने स्पष्ट किया कि वह कंगना के साथ दोस्ती करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर मैं उन्हें कहीं मिलती हूं तो जरूर जाकर 'हैलो' कहूंगी। वह मेरी सीनियर हैं। उनके जवाब की गारंटी नहीं, लेकिन मेरे दिल में उनके लिए कुछ भी गलत नहीं है। वर्क फ्रंट पर तापसी इन दिनों अपनी फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में हैं, जो 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही है।

स्वैग भरे लुक में नजर आए कमल हासन-रजनीकांत

साउथ सिनेमा के दो सबसे बड़े सुपरस्टार कमल हासन और रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कमल हासन और रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म को लेकर एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं। जब से खबर सामने आई है कमल हासन और रजनीकांत साथ नजर आने वाले हैं, तब से फैंस काफी दोनों को साथ देखने के लिए बेताब है। इन सब के बीच कमल हासन और रजनीकांत की फिल्म से जुड़ा एक नया अपडेट साानने आया है। तो चलिए जानते हैं कमल हासन और रजनीकांत की फिल्म को लेकर क्या अपडेट आया है।

साथ नजर आए कमल हासन-रजनीकांत

एक्टर कमल हासन और रजनीकांत एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। कमल हासन और रजनीकांत 47 साल बाद एक साथ स्क्रीन पर लौट रहे है। ये रीयूनियन टॉप डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार की नई फिल्म में हो रहा है, जिसका कोडनेम केएचxआरके है। अब लंबे इंतजार के बाद कमल हासन और रजनीकांत की फिल्म का प्रोमो रिलीज हो गया है। केएचxआरके के पहले प्रोमो में कमल हासन और रजनीकांत एक साथ गैरेज में चलते दिखते हैं। बैकग्राउंड में अनिरुद्ध का रेट्रो स्टाइल का म्यूजिक बज रहा है। अपने खास अंदाज में रजनीकांत कार की चाबी कमल हासन को देते हैं। कमल हासन ड्राइवर की सीट पर बैठ जाते हैं।डायरेक्टर नेल्सन ने ये प्रोमो अपने X अकाउंट पर शेयर किया और लिखा कि कमल और रजनीकांत वाली इस फिल्म की घोषणा करके उन्हें बहुत सम्मान और खुशी महसूस हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की कहानी दो बूढ़े गैंगस्टरों की है। ये दोनों बहुत सालों बाद फिर से मिलते हैं।उनके रास्ते एक मुश्किल वजह से दोबारा टकराते हैं। उनकी पुरानी जिंदगी और जो कुछ भी उन्होंने पीछे छोड़ दिया था, वो सब फिर से सामने आ जाता है। फिर दोनों पुराने अपराध की गलियों में वापस लौटते हैं। फिल्म में उनकी पुरानी यादें, पुराने झगड़े और नई चुनौतियां दिखाई जाएंगी।

शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ सालों बाद फिर आए साथ

शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ की जोड़ी पूरे 26 साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही है। ये दोनों कलाकार अमेजन प्राइम वीडियो की एक नई वेब सीरीज के लिए साथ आए हैं। आखिरी बार इन्हें 26 साल पहले पर्दे पर साथ देखा गया था, इसलिए दशकों बाद इनके नए प्रोजेक्ट ने दर्शकों को काफी उत्साहित कर दिया है। शिल्पा और जैकी के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी इस सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

ओटीटी पर आएगी दिल छू लेने वाली सीरीज

मिड डे के मुताबिक, शिल्पा और जैकी की जोड़ी पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। दोनों अमेजन प्राइम वीडियो की एक वेब सीरीज के लिए बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि ये 8 कड़ियों की एक 'स्लाइस-ऑफ-लाइफ' ड्रामा सीरीज होगी, जो शहरी रिश्तों और जीवन में मिलने वाले दूसरे मौकों की कहानी बयां करेगी। निर्माताओं का उद्देश्य इसे एक ऐसा शो बनाना है, जो असल जिंदगी के करीब और दिल को छू लेने वाला हो।

कब शुरू होगी शूटिंग?

इस नई वेब सीरीज की स्क्रिप्ट फाइनल हो चुकी है। प्रोडक्शन टीम फिलहाल मुंबई और पुणे में शूटिंग के लिए सही जगहों की तलाश कर रही है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो सीरीज की शूटिंग मार्च से शुरू हो जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, शूटिंग के लिए 60 दिनों का समय तय किया गया है। टीम अब बस कलाकारों (शिल्पा और जैकी) की ओर से तारीखों पर मोहर लगने का इंतजार कर रही है।

26 साल पहले इस फिल्म में साथ दिखे थे जैकी और शिल्पा

जैकी और शिल्पा पिछली फिल्म 'जंग' में नजर आए थे, जो साल 2000 में रिलीज हुई थी। संजय गुप्ता के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, आदित्य पंचोली और रवीना टंडन भी थीं। जैकी इंस्पेक्टर वीर चौहान की भूमिका में थे तो शिल्पा ने संजय की गर्लफ्रेंड का किरदार निभाया था। लगभग 8 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 11 करोड़ रुपये कमाए थे। अब 26 साल बाद शिल्पा-जैकी फिर साथ आ रहे हैं।

कचरे पर सख्त सुप्रीम 'कचहरी'

▶▶ सुप्रीम कोर्ट ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के पालन में असमानता पर जताई चिंता, जारी किए देशव्यापी निर्देश

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में फैल रही गंदगी और कूड़े के पहाड़ों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त तेवर अपना लिए हैं। कोर्ट ने साफ-साफ कह दिया है कि अब ₹अभी नहीं तो कभी नहीं₹ वाली स्थिति है। जजों ने फटकार लगाते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया तकनीक में भारत का लोहा मान रही है, तो हम कचरे के प्रबंधन में पिछड़े क्यों रहें? स्वच्छ पर्यावरण में सांस लेना हर नागरिक का हक है और इसमें कोई अड़ंगा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नेताओं और अफसरों की 'नकेल' कसी

कोर्ट ने सिर्फ आदेश ही नहीं दिया, बल्कि जिम्मेदारी भी तय कर दी है। अब आपके इलाके के पार्षद, मेयर और वार्ड मेंबर सिर्फ वोट मांगने नहीं आएंगे, बल्कि उन्हें 'लीड फैसिलिटेटर' बनकर घर-घर जाकर लोगों को कचरा अलग-अलग (गीला और सूखा) करने का पाठ पढ़ाना होगा। यह उनका कानूनी फर्ज बना दिया गया है।

कलेक्टर रखेंगे 'पाई-पाई' का हिसाब

अब नगरपालिकाओं और पंचायतों की मनमर्जी नहीं चलेगी। जिला कलेक्टरों को पावर दी गई है कि वे कचरा प्रबंधन के काम का कच्चा-चिट्ठा (ऑडिट) तैयार करें। काम हुआ है या नहीं, इसका सबूत सिर्फ कागजों पर नहीं बल्कि फोटो खींचकर ईमेल के जरिए भेजना होगा। 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को लेकर कोर्ट ने आर-पार की जंग छेड़ दी है।

चार तरह का कचरा, अब होगी 'छंटाई'

प्रदूषण बोर्ड को आदेश दिया गया है कि वे कचरे को चार हिस्सों (गीला, सूखा, सैनिटरी और खतरनाक) में बांटने के लिए फटाफट पुख्ता इंतजाम करें। कोर्ट का सीधा संदेश है—अगर अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ी को गंदगी के ढेर के अलावा कुछ नहीं मिलेगा।

तमिलनाडु में फिर ज़बान का घमासान

तमिलनाडु में हिंदी की कोई जगह नहीं: उदयनिधि स्टालिन

एजेंसी । चेन्नई

विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में भाषा का मुद्दा एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गया है। डिप्टी मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दोटूक लहजे में कहा कि राज्य में हिंदी थोपने की कोई गुंजाइश नहीं है। उनके मुताबिक यह महज़ आज की राजनीति नहीं, बल्कि दशकों पुरानी लड़ाई का सिलसिला है, जिसमें तमिल पहचान सबसे अहम रही है।

उदयनिधि स्टालिन ने याद दिलाया कि हिंदी विरोध की पहली चिंगारी 1937-38 में समाज सुधारक पेरियार के आंदोलन से भड़की थी, जब स्कूलों में हिंदी अनिवार्य की गई थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि भी किशोर उम्र में प्रदर्शनों में शामिल हुए थे। आखिरकार 21 फरवरी 1940 को सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा और हिंदी की अनिवार्यता खत्म करनी पड़ी।

ज़मीन के फेर में भारी बवाल

▶▶ पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े विधायक को घसीटकर बाहर निकालने का आरोप

▶▶ मंत्री ने प्रदर्शनकारियों को बताया 'ब्लैकमेलर'

एजेंसी । पणजी

उत्तर गोवा के टीसीपी दफ्तर के बाहर शनिवार की सुबह ऐसी खींचातानी मची कि मामला अब पूरी तरह से गरमा गया है। 'रिवोल्यूशनरी गोवन्स पार्टी' के विधायक वीरेश बोरकर अपने समर्थकों के साथ दफ्तर के बाहर डेरा डाले बैठे थे, जिन्हें पुलिस ने जबरन उठाकर बाहर कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने विधायक को घसीटकर परिसर से निकाला, जिसका वीडियो अब आग की तरह फैल रहा है।

रात भर चला 'धरना-प्रदर्शन'

किस्सा पालेम-सिरिदाओ गाँव की करीब 84 हजार वर्ग मीटर जमीन का है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ने गुपचुप तरीके से खेती या खाली जमीन को 'आवासीय' (बिल्डिंग बनाने लायक) घोषित कर दिया है। इस फैसले से भड़के ग्रामीण और करीब 100 महिलाएं शुक्रवार रात से ही दफ्तर के बाहर खूंटा गाड़कर बैठ गई थीं। उनकी एक ही रट थी—ये आदेश तुरंत वापस लो!

पुलिस की 'धक्का-मुक्की'

शनिवार सुबह जब पुलिस का दस्ता पहुँचा, तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने जब प्रदर्शनकारियों को हटाना शुरू किया, तो विधायक वीरेश बोरकर के साथ जमकर कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई। विधायक का कहना है कि पुलिस ने अपनी हद पार की है और बिना विधानसभा अध्यक्ष की मर्जी के एक विधायक को इस तरह खदेड़ना सरासर गलत है। उन्होंने अब अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 'विशेषाधिकार हनन' का दांव चल दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्वास्थ्य विभाग में 1000 नियुक्तियां

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य भर्ती और ट्रांसफर में भ्रष्टाचार को खत्म करना है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में सभी नियुक्तियां और ट्रांसफर अब काउंसलिंग के माध्यम से किए जा रहे हैं ताकि पूरी पारदर्शिता बनी रहे। सीएम ने नए भर्ती हुए कर्मचारियों को चेतावनी दी कि किसी भी तरह के ट्रांसफर के लिए किसी के पास न जाएं और ट्रांसफर एजेंटों के जाल में फंसने से बचें। कर्नाटक सीएम ने इस बात पर भी जोर दिया कि काउंसलिंग के जरिए अब तक लगभग 5,700 डॉक्टरों का ट्रांसफर किया जा चुका है। नई नियुक्तियां भी इसी प्रक्रिया से की जा रही हैं। किसी को भी पैसे देकर ट्रांसफर या भर्ती कराने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इस दौरान सिद्धारमैया ने अपने अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 40 साल से ज्यादा मंत्री, विधायक, विपक्षी नेता और मुख्यमंत्री के रूप में काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले यह समस्या इतनी ज्यादा नहीं थी, लेकिन अब ट्रांसफर एजेंटों की संख्या बढ़ रही है।

प्रियंका ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ की बैठकें

गुवाहाटी। असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट तेज है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच कांग्रेस की अहम बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता रिपुन बोरा ने राज्य में पार्टी की तैयारी को लेकर जानकारी दी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि हमने असम में चुनाव की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी जो असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष हैं, हाल ही में राज्य के दौरे पर आई थीं। रिपुन बोरा ने कहा कि प्रियंका गांधी ने असम में संगठन के हर स्तर के नेताओं से बातचीत की। उन्होंने ब्लॉक अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों और पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनकी राय जानी। राज्य चुनाव को ध्यान में रखते हुए बनाई गई चार अलग-अलग समितियों के अध्यक्षों को भी बुलाया गया था।

छंटनी के बाद केरल में अंतिम मतदाता सूची जारी

▶▶ महिला वोटरों की संख्या ज्यादा

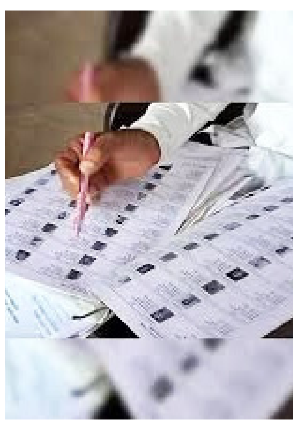

कोच्चि। चुनाव आयोग ने शनिवार को एसआईआर प्रक्रिया के बाद केरल में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की। इसमें राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या 2.69 करोड़ से अधिक हो गई है। तिरुवनंतपुरम में एक प्रेस मीट में चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नई मतदाता सूची में 2,69,53,644 मतदाता हैं। वहीं, पिछले साल अक्टूबर में एसआईआर (विशेष मतदाता सूची) के शुरू होने से पहले यह संख्या 2,78,50,855 थी।

करीब नौ लाख मतदाताओं के नाम अंतिम सूची से हटे

चुनाव आयोग ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के बाद 8,97,211 मतदाताओं को हटा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि संशोधित सूची में पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या 1,31,26,048, महिला मतदाताओं की संख्या 1,38,27,319 और ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 277 है।अद्यतन मतदाता सूची में विदेशी मतदाताओं की संख्या 2,23,558 है, जबकि सेवारत मतदाताओं की संख्या 54,110 है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर की कार्यवाही के तहत 36.88 लाख मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे और 53,229 मतदाताओं को अंतिम सूची से बाहर कर दिया गया था।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

▶▶ यौन शोषण के मामले में कोर्ट ने दिया आदेश

एजेंसी । प्रयागराज

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के मामले में एडीजे (रेप एवं पॉक्सो) स्पेशल कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने झूंसी थाना पुलिस को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने के निर्देश दिए हैं।

एडीजे पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार चौरसिया ने अपने आदेश में कहा कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिवत जांच की जाए। कोर्ट के निर्देश के बाद अब झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि इस आदेश से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

धारा 173(4) के तहत दाखिल हुई थी अर्जी

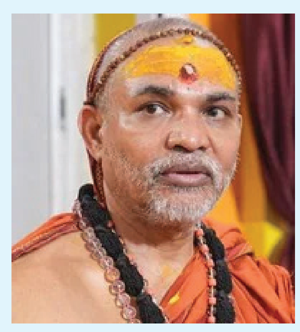

शाकुंभरी पीठाधीश्वर और श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट से जुड़े आशुतोष ब्रह्मचारी ने 28 जनवरी को धारा 173(4) के तहत अर्जी दाखिल कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। उनका आरोप है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के आश्रम में नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण होता है। उन्होंने इस संबंध में एक सीडी (CD) भी अदालत को सौंपने का दावा किया है।

मामले में 13 फरवरी को आरोप लगाने वाले दोनों नाबालिगों के बयान अदालत में वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किए गए थे। कोर्ट ने पुलिस रिपोर्ट का संज्ञान लिया और सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का औपचारिक आदेश जारी कर दिया है।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने जताई संतुष्टि

कोर्ट के आदेश के बाद आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा कि उन्हें न्याय मिला है। उन्होंने घोषणा की कि वह प्रयागराज से विद्या मठ (वाराणसी) तक पैदल 'सनातन यात्रा' निकालेंगे और लोगों के सामने सच्चाई लाएंगे। उनका आरोप है कि विद्या मठ में ही नाबालिग बच्चों के साथ शोषण होता था।

व्हाट्सऐप ला रहा मैसेज शेड्यूलिंग फीचर

न्यूयॉर्क। व्हाट्सऐप एक ऐसे नए फीचर पर काम कर रहा है, जिससे आप मैसेज को पहले से लिखकर उसे भेजने का दिन और समय तय कर सकेंगे। अगर आप रात 12 बजे किसी को मैसेज करना चाहते हैं, तो पहले से समय सेट कर सकते हैं और व्हाट्सऐप उसे अपने आप भेज देगा। आप शेड्यूल किए गए मैसेज को भेजने से पहले कभी भी डिलीट या बदल सकते हैं। खास बात यह है कि डिलीट करने पर दूसरे व्यक्ति को पता भी नहीं चलेगा। अभी बिजनेस अकाउंट को ऐसे फीचर के लिए पैसे देने पड़ते हैं, वहीं यह नया फीचर आम यूजर के लिए मुफ्त होगा। आप अकेले व्यक्ति को या पूरे ग्रुप को मैसेज भेजने के लिए इस फीचर का इस्तेमाल कर पाएंगे।

लेबनान पर इजरायली हमले में 12 की मौत

बेरूत। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में शुक्रवार को इजरायल के हमले में 12 लोग मारे गए और 24 व्यक्ति घायल हो गए। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजरायल ने दावा किया कि उसने बेका घाटी में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के 'कमान केंद्रों पर हमला किया है। हालांकि हिजबुल्लाह ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया। स्थानीय टेलीविजन में एक घटनास्थल के वीडियो दिखाए गए। वीडियो से प्रतीत होता है कि निशाना बनाया गया स्थल एक इमारत है और आपातकालीन दल आग बुझाने एवं मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश करते दिखाई दिए। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल के एक और हमले में बंदरगाह शहर सिडोन में स्थित एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया गया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। मारे गए तीन हिजबुल्लाह कमांडर हवाई हमलों में हिजबुल्लाह समूह के तीन कमांडर और आठ सैनिक मारे गए, जबकि 35 अन्य घायल हो गए।

अब सलाखों के पीछे 'कमीशनखोरी' का हिसाब दे रहे माननीय

▶▶ लोकायुक्त पुलिस के छापे में भाजपा विधायक गिरफ्तार

▶▶ पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त का डंडा ऐसा चला कि एक सिटिंग विधायक को सरेआम 'धूल फांकनी' पड़ गई। शनिवार को लोकायुक्त पुलिस ने भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को 5 लाख रुपये की मोटी घूस डकारते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। विधायक जी को अंदाजा भी नहीं था कि जिस ठेकेदार से वह 'सेवा' मांग रहे हैं, उसने पहले ही पुलिस के साथ मिलकर तगड़ा घेरा डाल रखा है।

ठेकेदार ने फंसाया 'माननीय' को

मामला गडग जिले का है, जहाँ प्रथम श्रेणी के ठेकेदार विजय पुजार ने विधायक की पोल खोल दी। बताया जा रहा है कि लघु सिंचाई विभाग के सड़क निर्माण और दीवारों के काम के बदले विधायक जी 11 लाख रुपये का 'कट' (कमीशन) मांग रहे थे। सौदा तय हुआ और जैसे ही विधायक जी ने 5 लाख की पहली किश्त पर हाथ साफ किया, पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

संतूर और सिम्फनी का संगम

राहुल शर्मा का दो शहरों का विशेष दौरा

मुंबई। इस मार्च माह में संतूर की मधुर ध्वनि और पश्चिमी सिम्फनी का अद्भुत संगम भारतीय श्रोताओं को एक अनूठा संगीत अनुभव देने जा रहा है। विश्वप्रसिद्ध संतूर वादक और संगीतकार राहुल शर्मा अपने विशेष दो-शहरों के दौरे के साथ भारत आ रहे हैं।

इस विशिष्ट प्रस्तुति के अंतर्गत 18 मार्च को बेंगलुरु और 20 मार्च को मुंबई में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस आयोजन को बनयान ट्री इवेंट्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है और एवीओ ऑटोमेशन का सहयोग प्राप्त है। यह संपूर्ण प्रस्तुति संतूर की दुर्लभ ऑर्केस्ट्रल व्याख्या को भारतीय दर्शकों के सामने लाएगी।

इस कार्यक्रम में राहुल शर्मा के 100 तारों वाले संतूर की मनमोहक धुनें 35 कलाकारों के चैम्बर ऑर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुत की जाएंगी। इस ऑर्केस्ट्रा का संचालन चेक फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा पार्दुबित्से के संचालक सैमुअल तमारीत ओतेरो द्वारा किया जाएगा। यह संगीतमय प्रयोग संतूर की ध्वन्यात्मक संभावनाओं को एक नए आयाम में प्रस्तुत करता है। इसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराई और सूक्ष्मता को अक्षुण्ण रखते हुए उसे सिम्फनी की व्यापकता के साथ जोड़ा गया है। परिणामस्वरूप श्रोताओं को एक भव्य, भावपूर्ण और बहुआयामी संगीत अनुभव प्राप्त होगा। राहुल शर्मा अब तक 75 से अधिक एलबम प्रस्तुत कर चुके हैं और 50 से अधिक देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने रिचर्ड क्लेडरमैन, केनी जी और डीप फॉरेस्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ भी सहयोग किया है।

अपने इस विशेष प्रयोग के बारे में राहुल शर्मा कहते हैं,

"मेरे 100 तारों वाले संतूर के लिए सिम्फनी की रचना करना अपने आप में पहला प्रयास है। यह संगीत प्राचीन तारों की आत्मा, आधुनिक शांति और शाश्वत आनंद का संगम है। इसमें भारतीय और पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत के दो आयामों को सामंजस्य के साथ जोड़ा गया है।"

वे आगे बताते हैं कि यह प्रस्तुति उनके पिता और गुरु पद्म विभूषण पंडित शिवकुमार शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने का एक विनम्र प्रयास भी है।

मुंबई में यह कार्यक्रम 20 मार्च को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, पवेलियन 1 में आयोजित होगा। टिकट डिस्ट्रिक्ट ऐप पर उपलब्ध हैं। यह दौरा निश्चित ही संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध होगा, जहां संतूर की पारंपरिक मधुरता और सिम्फनी की भव्यता एक साथ गूंजेगी।

एआई > दुनिया ने स्वीकार किया सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का सिद्धांत

एआई पर एक सुर में दुनिया, घोषणापत्र पर 86 देश भारत के साथ

एआई इम्पैक्ट घोषणा पत्र पर 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली में संपन्न हुई एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को दुनियाभर से जबरदस्त समर्थन मिला है। 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भारत के एआई घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को सारी दुनिया ने अपनाया है। हस्ताक्षर करनेवालों में अमेरिका, यूके, कनाडा, चीन, डेनमार्क और जर्मनी इत्यादि देश भी शामिल हैं। उधर, निवेश के लिहाज से देखा जाए तो भारत को समिट के जरिए भविष्य में एआई से जुड़े आधारभूत ढांचे के तौर पर 250 अरब डॉलर के प्रस्ताव मिले हैं। विभिन्न कंपनियों ने निवेश के ये ऐलान किए हैं। बता दें कि छह दिन तक चली इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का शनिवार को समापन हो गया।

मानव केंद्रित एआई दृष्टिकोण को दुनिया ने स्वीकारा

वैष्णव इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समिट के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण और मानव विकास के लिए एआई के इस्तेमाल से जुड़े विजन को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है। एआई का उपयोग तीन सूत्रों लोग, पृथ्वी और प्रगति पर आधार हो, इस पर भी सभी ने सहमति जताई है। विजन का मुख्य लक्ष्य एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण करना है, जिससे एआई जैसी उन्नत तकनीक और इसके आर्थिक फायदों की पहुंच दुनियाभर में समाज के हर वर्ग तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि एआई समिट बहुत सफल रहा, इसके जरिए भारत एआई के क्षेत्र में अपनी बड़ी पहचान बनाने में सफल रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के विजन को पहचान मिली है और दुनिया उसी विजन पर चलकर एआई के विकास में सहयोग करने पर सहमत हुई है। समिट में करीब 120 देशों के प्रतिनिधि, 20 देशों के राष्ट्र प्रमुख और दुनियाभर की बड़ी कंपनियों के सीईओ शामिल हुए।